केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

ताकतवर होकर भी, झुक जाना श्रेष्ठ गुण है और श्रेष्ठ होकर भी,सामान्य रहना सर्वश्रेष्ठ गुण है...

वर्ष : 17 अंक : 39 | उज्जैन, रविवार 19 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

अहमदाबाद की अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 की मौत, 5 किमी दूर तक सुनाई दी धमाके की आवाज

अहमदाबाद/जीएनएस। महानगर के महमूदपुरा इलाके में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाके के साथ आग लग गई। धमाका इतना प्रचंड था कि पांच किमी दूर तक सुनाई दिया। इस हादसे में अब तक एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 15 से अधिक बुरी तरह जख्मी हो गए। जख्मी लोगों को एलजी व सिविल अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया है। पटाखा फैक्ट्री झौपडों में चल रही थी, आग लगने के बाद घटनास्थल पूरी तरह मैदान जैसा हो गया। महापौर हितेश बारोट एवं मनपा आयुक्त बच्छानिधी पानी ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर दुख जताते हए मृतकों को चार चार लाख रु तथा घायलों को 50 हजार रु की सहायता की घोषणा की है। अहमदाबाद के आरएएफ कैप के पीछे महमूदपुरा में मेहुल डोडिया नामक एक व्यक्ति अवैध पटाखा फैक्ट्री का संचालन कर रहा था, इस फैक्ट्री का लाईसेंस पहले ही रद कर दिया गया था इसके बावजूद यह पटाखा फैक्ट्री चल रही थी। शनिवार दोपहर करीब साढे तीन बजे एक तेज धमाके के साथ इसमें आग लगी, धमाका इतना भीषण था कि 5 किमी दूर तक गांवों तक इसकी आवाज सुनी गई। इस हादसे में एक महिला समेत 9 लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि 15 से अधिक को नजदीक के लोग अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटनास्थल आरएएफ कैंप के पीछे वस्त्राल के नजदीक बताया जा रहा है। अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए सिविल तथा एलजी अस्पताल भेजा गया है, यह फैक्ट्री झोपड़ीनुमा स्ट्रक्चर में चल रही थी। आग के कारणों का अभी पता नहीं चला है। घायलों में कुछ लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में चट्टान दरकने से कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग बंद, धारचूला में फंसा चौथा दल

पिथौरागढ़/ जीएनएस। कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग बंद होने से चौथा कैलास मानसरोवर यात्रा दल धारचूला में ही फंसा है। वहीं तवाघाट-सोबला-तिदांग मार्ग पर सोबला के निकट ठाड़ीगाड़ पुल पर बड़े वाहनों की आवजाही बंद हो चुकी है। चीन सीमा से लगी दारमा और व्यास घाटी का संपर्क कट चुका है। दोनों सड़कों पर वाहन और यात्री फंसे हैं। धारचूला से मिली जानकारी के अनुसार, कैलास मानसरोवर यात्रा मार्ग पर गर्बाधार से लगभग दो किमी दूर शनिवार सुबह विशाल चट्टान दरक कर सड़क पर आ गई और मार्ग बंद हो गया। इस स्थान पर पहाड़ की तरफ से लगातार पत्थर गिर रहे हैं। इस दौरान गुंजी सहित अन्य गांवों से धारचला आ रहे वाहन फंसे हैं। लोग परेशान है। शनिवार को धारचूला से कैलास मानसरोवर यात्रा के चौथे दल को गुंजी रवाना होता था। सुबह मार्ग बंद होने की सूचना मिलने से बाद दल निर्धारित समय पर रवाना नहीं हो सका। दिनभर मार्ग खुलने की प्रतीक्षा रही, लेकिन सायं तक मार्ग नहीं खुल सका है। आपदा प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार दल धारचूला में ही है। मार्ग बंद होने की सूचना मिलने के बाद बीआरओ 65 आरसीसी के ओसी मानिक महाजन मौके पर पहुंचे चुके हैं। बूंदी की तरफ और पांगला की तरफ से दो बड़ी मशीनें पहुंच चुकी हैं और मार्ग खोलने का प्रयास किया जा रहा है। सायं तक मार्ग नहीं खुल सका है। देर से मार्ग खुलने पर चौथे कैलास मानसरोवर यात्रा दल अब रविवार को भी गुंजी रवाना होगा।सायं को तवाघाट-सोबला-तिदांग मार्ग के ठाड़ीगाड़ पुल के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है। पुल पर बड़े वाहनों की आवजाही पर रोक लगा दी है। दोनों मार्ग बंद होने से उच्च हिमालयी व्यास घाटी के सात ओर दारमा घाटी के 13 गांवों का संपर्क कटा हुआ है।

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

मध्यप्रदेश के प्रत्येक अंचल में कैबिनेट बैठक का नवाचार देश में अनूठा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में रविवार, 19 जुलाई को मंत्री परिषद की बैठक हो रही है। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा।

ढाई वर्ष में हुई हैं सात बैठकें- मुख्यमंत्री

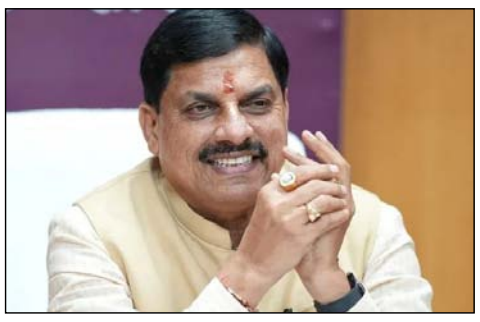

डॉ यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं।

बाबा महाकाल की नगरी में भी होगी कैबिनेट बैठक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क का कार्य भी इससे आसान हुआ है। जहां राजधानी में ही जन हित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते रहे हैं, अब इस नवाचार के अंतर्गत प्रदेश के छोटे से ग्राम स्तर से भी जन कल्याण के महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं।

राजधानी भोपाल के अलावा इन स्थानों पर हुईं बैठकें

- **3 जनवरी 2024** - जबलपुर के शक्ति भवन में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- **5 अक्टूबर 2024** - दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- **24 जनवरी 2025** - लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर (जिला खरगोन) में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- **20 मई 2025** - लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- **3 जून 2025** - नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- **9 दिसम्बर 2025** के खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रिपरिषद् की बैठक आयोजित की गई।
- **2 मार्च 2026** - बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस सिर्फ एक बयान नहीं, राजनाथ सिंह का पाक क कड़ा संदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई का तरीका है।

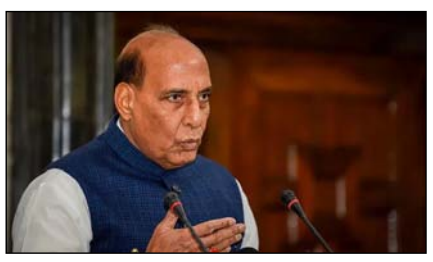

पीटीआई के अनुसार, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान सिंह ने कहा, हमने पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद पर अपना नजरिया साफ कर दिया है, आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस हमारे लिए सिर्फ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई का तरीका है।

आतंकवाद पर भारत की जीरो टॉलरेंस नीति कार्रवाई का तरीका- हम आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ उनके दरवाजे पर ही नहीं, बल्कि उनके घर में घुसकर भी हमला करेंगे। पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह देखा था।

बता दें, ऑपरेशन सिंदूर मई 2025 में भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई थी, जो उसी साल अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के बाद की गई थी।

स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के रक्षा उद्योगों में भरोसे का सबूत बताया। रक्षा मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में तकनीकी युद्ध का एक शानदार उदाहरण था।

इस ऑपरेशन में आकाशतीर जैसे एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस के साथ-साथ कई अत्याधुनिक उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया था।

पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा कि उन्हें भारत की क्षमता और काबिलियत पर शक था, जबकि मोदी सरकार को देश की रक्षा क्षमताओं पर पूरा भरोसा है।

19 जुलाई से जींद-सोनीपत रूट पर सप्ताह में 6 दिन दौड़ेगी हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय रेलवे के इतिहास में 19 जुलाई का दिन एक बड़े बदलाव का गवाह बनने जा रहा है। रेल मंत्रालय ने देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन आधारित लोकल ट्रेन संख्या 74010/74009 के संचालन को हरी झंडी दे दी है।

उत्तर रेलवे द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, यह आधुनिक ट्रेन जींद-सोनीपत-जींद रूट पर रविवार से यात्रियों को लेकर अपना सफर शुरू करेगी। ट्रेन शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलाई जाएगी।

सोनीपत पहुंचेगी सुबह 9.40 बजे- हाइड्रोजन ट्रेन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल होगी और इसका प्राथमिक रख-रखाव दिल्ली मंडल द्वारा किया जाएगा। यह देश की पहली 10 कोचों वाली, 1200 किलोवाट क्षमता की हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित डेमू लोकल ट्रेन है।

ट्रेन संख्या 74010 जींद जंक्शन से सोनीपत के लिए सुबह 07:40 बजे प्रस्थान करेगी और दो घंटे में 9:40 बजे सोनीपत स्टेशन पर पहुंचेगी। यहां ट्रेन का एक घंटा ठहराव रहेगा।

इसके बाद ट्रेन संख्या 74009 सोनीपत से जींद जंक्शन के लिए सुबह 10:40 बजे यात्रियों को लेकर अपना सफर शुरू करेगी और दोपहर एक बजे जींद जंक्शन पर पहुंचेगी।

दो घंटे में पूरा करेगी सफर- हाइड्रोजन ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच 89.1 किलोमीटर का सफर दो घंटे में पूरा करेगी, जहां इसकी औसत गति 44.55 किमी प्रति घंटा होगी। वहीं, सोनीपत से जींद की वापसी यात्रा 2 घंटे 20 मिनट में तय करेगी। वापसी में ट्रेन का गोहाना स्टेशन पर 14 मिनट का ठहराव दिया गया है। जबकि जींद से सोनीपत आते समय से ट्रेन का गोहाना स्टेशन पर ठहराव महज एक मिनट का रहेगा।

दिल्ली-ऋषिकेश नमो भारतः एक प्रोजेक्ट से कैसे बदल जाएगी दो राज्यों की तस्वीर?

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को मेरठ के मोदीनगर से हरिद्वार और ऋषिकेश तक बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। नमो भारत ट्रेन में दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच लोगों के बीच सफर करने का तरीका पहले ही बदल दिया है। अब यह बदलाव हिमालय की तलहटी कर फैल जाएगा।

रीजनल केनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, केंद्र ने दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को मेरठ के मोदीनगर से हरिद्वार और ऋषिकेश तक बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित 150 किलोमीटर का कॉरिडोर भारत के दो सबसे बड़े तीर्थ स्थलों को देश के सबसे तेज क्षेत्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगा।

अगर यह प्रोजेक्ट योजना का अनुसार आगे बढ़ता है कि यह सिर्फ यात्रा का समय ही कम नहीं करेगा। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा मिलने, पर्यटन को बढ़ावा मिलने, उद्योगों को मदद मिलने, नए रियल एस्टेट हब बनने और उत्तर भारत के सबसे व्यस्त हाइवे में से एक पर दबाव कम होने की उम्मीद है।

यह प्रस्ताव अभी योजना के चरण में है। डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के लिए सर्वे चल रहा है, लेकिन विजन पहले से ही साफ है कि दिल्ली-हृष्टक को गंगा किनारे बसे शहरों से जोड़ने वाला एक निर्बाध हाई-स्पीड रेल नेटवर्क बनाना।

उद्योग और तीर्थयात्रा को जोड़ने वाला रेल लिंक- प्रस्तावित कॉरिडोर मोदीपुरम से शुरू होगा, जो दिल्ली-मेरठ नमो भारत लाइन का उत्तरी सिरा है। वहां से इसके उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड बॉर्डर के पास पुरकाजी पहुंचने से पहले दौरौला, खतौली और मुजफ्फरनगर से गुजरने की उम्मीद है। इसके बाद यह लाइन रुड़की और हरिद्वार से होते हुए ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला के पास खत्म होगी।

इस कॉरिडोर का लगभग 72 किलोमीटर का हिस्सा उत्तर प्रदेश और लगभग 78 किलोमीटर का हिस्सा उत्तराखंड में होगा।

आज, ह्॥-58 पर ट्रैफिक के आधार पर, दिल्ली से सड़क मार्ग से ऋषिकेश पहुंचने में आमतौर पर पांच से छह घंटे लगते हैं। नमो भारत ट्रेनें 160 द्यद्वश्चद्ध तक की रफ्तार से चलने के लिए डिजाइन की गई हैं।

दिल्ली में बाढ़ का खतरा... पिछले 200 वर्षों में 68 प्रतिशत सिकुड़ गई यमुना, शोध में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली/ जीएनएस। तलहटी में जमी गाद और डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण यमुना की जलधारण क्षमता कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसून के दिनों में हरियाणा के हथनी कुंड बैराज से पहले की तुलना में कम पानी छोड़े जाने के बाद भी इसका जलस्तर बढ़ जाता है।

इस वर्ष अभी तक वहां से बहुत अधिक पानी नहीं छोड़ा गया है। पिछले सप्ताह लगभग 38 हजार क्यूसेक पानी छोड़ने से ही दिल्ली में लोहा पुल के पास नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर 204.5 मीटर के करीब पहुंच गया था। इससे आने वाले दिनों में जलस्तर खतरे के निशान को पार कर सकता है और इससे आवासीय क्षेत्र में पानी भरने का खतरा है। जुलाई, 2023 में दिल्ली में बाढ़ आने का भी गाद व अतिक्रमण प्रमुख कारण था। पिछले वर्ष भी यमुना खादर के साथ ही सिविल लाइंस तक पानी पहुंच गया था।

आंध्र प्रदेशः गुंटूर में महिला से मारपीट की घटना की मंत्री नारा लोकेश ने की निंदा, कहा- किसी को बख्शा नहीं जाएगा

अमरावती/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने गुंटूर जिले में एक महिला के साथ कथित मारपीट की कड़ी निंदा की है। इस घटना में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी के एक कार्यकर्ता की संलिप्तता का आरोप लगने के बाद मंत्री ने साफ किया कि किसी का भी राजनीतिक जुड़ाव उसे कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकता।

यह घटना कृष्णबाबू कॉलोनी में हुई, जहां घर के पानी के बोर को लेकर हुए विवाद ने दो गुटों के बीच हिंसक रूप ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक गुट के सदस्यों ने विरोधी गुट की एक महिला पर हमला कर दिया और उसके कपड़े फाड़ दिए, जिसमें कथित तौर पर उनके समर्थन में आए ट्रांसजेंडर व्यक्ति भी शामिल थे। बाद में इस हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे भारी आक्रोश फैल गया और पुलिस को मामले की जांच शुरू करनी पड़ी।

आरोपी टीडीपी कार्यकर्ता पार्टी से निलंबित- पुलिस ने इस मामले में आपराधिक केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना ने तब राजनीतिक तूल पकड़ लिया जब यह बात सामने आई कि आरोपियों में से एक सत्तारूढ़ टीडीपी से जुड़ा था। गुंटूर पश्चिम की विधायक गल्ला माधवी ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पार्टी ने संबंधित पदाधिकारी को सभी पदों से निलंबित कर दिया है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी, चाहे आरोपी की राजनीतिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। लोकेश ने कहा कि गुंटूर की इस भयावह घटना से मैं पूरी तरह स्तब्ध और आक्रोशित हूं। अगर कोई सोचता है कि राजनीतिक रसूख या पार्टी से जुड़ाव उन्हें बचा सकता है, तो यह उनकी बहुत बड़ी गलतफहमी है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तत्काल सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

चार दिन में दूसरी बार पटना पहुंचे नितिन नवीन, क्या बांकीपुर में प्रशांत किशोर ने बढ़ा दी टेंशन?

पटना/ जीएनएस। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में बिहार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन चार दिन के भीतर दूसरी बार दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को पटना पहुंचे।

पटना पहुंचते ही उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर मंथन शुरू किया।

बांकीपुर पर क्यों बढ़ा भाजपा का फोकस- बांकीपुर विधानसभा सीट नितिन नवीन की पारंपरिक और पारिवारिक सीट रही है। ऐसे में उपचुनाव को भाजपा प्रतिष्ठा की लड़ाई के रूप में देख रही है।

पार्टी नेतृत्व इस सीट पर किसी तरह की चूक नहीं चाहता। यही वजह है कि नितिन नवीन लगातार क्षेत्र और संगठन पर नजर बनाए हुए हैं।

प्रशांत किशोर की मौजूदगी से बदला चुनावी समीकरण- इस बार जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी चुनावी मैदान में सक्रिय हैं। इसे देखते हुए भाजपा ने अपनी चुनावी तैयारियां और तेज कर दी हैं।

सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन ने नेताओं और कार्यकर्ताओं को घर-घर संपर्क अभियान तेज करने और हर बूथ पर संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

नीरज सिन्हा के पक्ष में करेंगे जनसभा- चर्चा है कि नितिन नवीन स्वयं भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के समर्थन में जनसभाएं करेंगे और चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे।

पार्टी का लक्ष्य बांकीपुर में लगातार तीसरी दशक से कायम अपना जनाधार बरकरार रखना और उपचुनाव में बड़ी जीत दर्ज करना है। शनिवार शाम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नितिन नवीन से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों और उपचुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई।

बरसात में जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी जारी

स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने की अपील, आरआरटी टीमें भी अलर्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा ऋतु के दौरान जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि मानसून के मौसम में दूषित पानी, अस्वच्छता और जलभराव के कारण डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, पीलिया, पैचिश, हैजा, मलेरिया एवं डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। विशेष रूप से बच्चे और शिशु इन बीमारियों से अधिक प्रभावित होते हैं।

दूषित पानी से बढ़ता है संक्रमण का खतरा- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्षा और बाढ़ के बाद जल स्रोतों के दूषित होने से जलजनित रोग तेजी से फैलते हैं। इनसे बचाव के लिए सुरक्षित एवं उबला हुआ पेयजल उपयोग करने, भोजन स्वच्छ तरीके से तैयार करने तथा व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी गई है। भोजन करने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

स्वच्छता अपनाएं, दस्त रोग से बचें- विभाग ने बताया कि दूषित जल और अस्वच्छ आदतों के कारण दस्त, कृमि संक्रमण, त्वचा एवं आंखों के रोगों का खतरा बढ़ जाता है। छोटे बच्चों में दस्त की समस्या गंभीर रूप ले सकती है और शरीर में पानी की कमी होने पर जानलेवा भी साबित हो सकती है।

दस्त से बचाव के लिए नागरिकों से अपील की गई है कि वे- केवल शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ भोजन का उपयोग करें।

सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

खुले में शौच न करें तथा शौचालय का उपयोग करें।

घर एवं आसपास साफ-सफाई बनाए रखें।

कहीं भी पानी जमा न होने दें तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था रखें।

हरी सब्जियों एवं फलों को उपयोग से पहले अच्छी तरह साफ पानी से धोएं।

दस्त होने पर चिकित्सकीय सलाह से ओआरएस घोल एवं जिंक सल्फेट की गोली का सेवन करें।

मक्खियों से बचाव के लिए आवश्यक उपाय अपनाएं।

मलेरिया और डेंगू से बचाव के लिए बरतें विशेष सावधानी

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बरसात के मौसम में मलेरिया एवं डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है। खेतों, तालाबों, गड्ढों, पुराने टायरों, टूटे बर्तनों, पशुओं के पानी के टैंकों, कूलर, फुलदान और फ्रिज ट्रे में जमा पानी मच्छरों के लार्वा पनपने का प्रमुख कारण बनता है।

मलेरिया एवं डेंगू से बचाव के लिए नागरिकों को सलाह दी गई है कि- घर के आसपास पानी जमा न होने दें।

रुके हुए पानी में मिट्टी का तेल या जला हुआ ऑयल डालें।

कूलर, फुलदान एवं फ्रिज ट्रे की सप्ताह में कम से कम एक बार सफाई करें।

सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

आवश्यकतानुसार कीटनाशक का छिड़काव कराएं।

बुखार आने पर तुरंत रक्त जांच कराएं तथा चिकित्सक की सलाह के अनुसार पूरा उपचार लें।

आरआरटी टीमें अलर्ट मोड पर- स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले की सभी रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) को सक्रिय कर दिया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी क्षेत्र में जलजनित या मच्छरजनित रोगों के प्रकोप अथवा किसी आकस्मिक स्थिति की सूचना तत्काल जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय पर आवश्यक नियंत्रण एवं उपचारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ फसल का बीमा करने की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान बंधु वर्ष 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं। फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं मौसम के कारण होने वाले अन्य जोखिम से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है। किसान बंधु अंतिम तिथि का इंतजार न करें, आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

इंदौर पुलिस थानों की जून रैंकिंग जारी, चंदन नगर फिर बना नंबर-1, छोटी ग्वालटोली सबसे पीछे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जून माह के लिए पुलिस थानों के कार्य निष्पादन का मासिक मूल्यांकन परिणाम जारी कर दिया है। बेहतर पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और जनसंतुष्टि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस रैंकिंग में थाना चंदन नगर ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया, जबकि थाना छोटी ग्वालटोली सबसे अंतिम स्थान पर रहा। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट के सभी 32 पुलिस थानों के कार्यों का मूल्यांकन एक मानकीकृत प्रणाली के तहत किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में अपराध नियंत्रण, जनसंतुष्टि, पारदर्शी कार्यप्रणाली, नवाचार और अन्य निर्धारित मापदंडों के आधार पर प्रत्येक थाने के प्रदर्शन का मासिक आकलन किया जाता है। जून माह के मूल्यांकन में ज़ोन-04 के थाना चंदन नगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ज़ोन-03 के थाना बाणगंगा को दूसरा और ज़ोन-04 के थाना द्वारिकापुरी को तीसरा स्थान मिला। दूसरी ओर निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर प्रदर्शन करने के कारण ज़ोन-03 का थाना छोटी ग्वालटोली अंतिम स्थान पर रहा। इंदौर पुलिस के अनुसार बेहतर प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारी और उनके स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि कमजोर प्रदर्शन वाले थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि इस मूल्यांकन प्रणाली का उद्देश्य पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बनाना है, ताकि नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवाएं मिल सकें और अपराध नियंत्रण की दिशा में लगातार सुधार होता रहे।

इंदौर में ईंटों की पाल बनाकर रोका रास्ता, सॉफ्टवेयर इंजीनियर अवरोध हटाने रुका तो बदमाशों ने डंडे से पीटा, दांत तोड़े

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बर्फानी धाम पानी की टंकी के पास शुक्रवार तड़के बदमाशों ने सड़क पर ईंटें लगाकर रास्ता रोक दिया था। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बाइक निकालने के लिए ईंटें हटाने लगा, तभी तीन बदमाश अचानक आए और उस पर हमला कर दिया। चेहरे पर डंडे से वार किया। वे युवक को लूटते उसके पहले पुलिस की गाड़ी साइरन बजाती हुई उधर आई। यह देख बदमाश घटना स्थल से भाग निकले।

एमआईजी पुलिस के अनुसार, घटना निखिल पाटिल (22) निवासी कृष्णबाग कॉलोनी के साथ हुई है। निखिल सत्यसाईं चौराहे पर स्थित एक आईटी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। रोज की तरह नाइट शिफ्ट खत्म कर सुबह 3:30 बजे कंपनी से बाइक पर घर के लिए निकले थे। तड़के 4 बजे घर के पास की गलियों में पहुंचे थे, तभी एक गली के रास्ते में ईंटों की पाल देखकर उन्होंने बाइक रोकी और रास्ता साफ करने के लिए ईंट हटाने लगे। फरियादी ने बताया, तभी एक बाइक पर सवार तीन युवक अचानक वहां पहुंचे और गालीगलौज शुरू कर दी। मैंने विरोध किया तो एक बदमाश ने डंडे से मेरे चेहरे पर हमला कर दिया। इससे मेरे दांत टूट गए। निखिल कुछ समझ पाता तब तक बदमाश उस पर हावी हो गए। घायल निखिल ने सवाल किया तो तीनों बदमाश धमकी देने लगे। निखिल ने शंका जताई कि बदमाश उन्हें लूटने की फिराक में थे। शायद अन्य वाहन चालकों को भी लूटना चाहते थे।

डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति ने 80 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान, युवाओं को संवेदनशील बनने का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा शनिवार को खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की वाणिज्य अध्ययनशाला के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 10वीं, 12वीं, नीट, जेईई, सीईटी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 80 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को डॉ. हेडगेवार सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं देवपुत्र पत्रिका के संपादक गोपाल माहेश्वरी ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के बीच केवल अधिक पैकेज पाने की होड़ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि युवा केवल नौकरी और वेतन तक सीमित न रहें, बल्कि अपने ज्ञान, संस्कार और सामाजिक दायित्वों को भी महत्व दें। उनका मानना था कि जीवन की सफलता केवल बड़े पैकेज से नहीं, बल्कि समाज के प्रति योगदान और जिम्मेदारी निभाने से भी मापी जाती है।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रज्वल खरे ने कहा कि युवा शक्ति यदि सही दिशा में आगे बढ़े तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से संवेदनशील, जिम्मेदार और समाजहित में कार्य करने वाला नागरिक बनने का आह्वान किया।

समिति के देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 10वीं, 12वीं, नीट, जेईई, सीईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राकेश कुमार यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष सुरेश पाटीदार ने की। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

सामान्य भविष्य निधि का वार्षिक लेखा विवरण ऑनलाइन उपलब्ध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), मध्यप्रदेश, ग्वालियर ने राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि खातों का वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक लेखा विवरण अपनी वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया है। इससे अभिदाता अब घर बैठे अपने लेखा खाते का वार्षिक विवरण देख एवं डाउनलोड कर सकेंगे।

बदली न्याय व्यवस्था को बीते दो साल, पर वकीलों को याद नहीं हो पा रहीं नई धाराएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोर्ट कचहरी में इन दिनों वकीलों और जजों के बीच एक दिलचस्प 'कन्फ्यूजन' चल रहा है। केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2024 को जब भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता का नाम और चेहरा बदला था, तब लगा था कि वक्त के साथ सब ठीक हो जाएगा।

इस ऐतिहासिक बदलाव को दो साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी कानूनी दिग्गजों की जुबान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की नई धाराएं चढ़ नहीं पा रही हैं। हालात ये हैं कि कोर्ट में बात आसानी से समझ आ सके, इसलिए याचिकाओं और परिवादों (शिकायत) में नई धारा लिखने के ठीक बगल में कोष्ठक यानी ब्रैकेट ( ) बनाकर पुरानी धारा का पता भी लिखना पड़ रहा है।

वकीलों का कहना है कि ऐसा न करें तो जज साहब को भी मामला समझने में वक्त लगता है, इसलिए ब्रैकेट में 'पुरानी धारा' लिखना वकीलों की मजबूरी बन गया है। दिलचस्प बात यह है कि अब कोर्ट के आदेशों में भी सजा सुनाते वक्त ब्रैकेट का सहारा लेना पड़ रहा है।

केस-1- कोर्ट को समझाना पड़ा, धारा 175 ही पुरानी 156 (3) है- अधिवक्ता शैलेंद्र द्विवेदी ने आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ ब्राह्मण बेटियों के संदर्भ में की गई टिप्पणी से आहत होकर कोर्ट में निजी परिवाद दायर किया। सीआरपीसी में परिवाद धारा 156 (3) के तहत दायर होता था। नई व्यवस्था (बीएनएसएस) में यह धारा बदलकर 175 हो गई है। कोर्ट में मामला उलझे नहीं, इसलिए वकील साहब ने अर्जी में धारा 175 लिखने के साथ कोष्ठक में धारा 156(3) का भी उल्लेख किया, ताकि केस आसानी से स्वीकार हो सके।

शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा एमपी पीएससी प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की निःशुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा निःशुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें।

लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा।

प्रशिक्षणार्थियों के लिए केन्द्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब की सुविधा उपलब्ध है। अनुभवी एवं योग्य अतिथि प्राध्यापकों द्वारा प्री, मेन्स तथा साक्षात्कार की तैयारी कराई जाती है। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जबकि नियमानुसार उपस्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी एवं आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर से संपर्क कर सकते हैं।

नामांकन में गलत जानकारी देने पर जिला कोर्ट ने इंदौर के वार्ड 60 की कांग्रेस पार्षद सुनहरा अंसारी का निर्वाचन किया शून्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कोर्ट ने वार्ड 60 की कांग्रेस पार्षद सुनहरा अंसाफ अंसारी का निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया है। कोर्ट ने सुनहरा के खिलाफ प्रस्तुत चुनाव याचिका को आंशिक रूप से स्वीकारते हुए यह फैसला सुनाया है। हालांकि कोर्ट ने उनकी जगह किसी को फिलहाल पार्षद घोषित नहीं किया है।

वर्ष 2022 में हुए नगर निगम चुनाव में वार्ड 60 से सुनेहरा अंसाफ अंसारी ने लगभग पांच हजार मतों से जीत हासिल की थी। उनके निर्वाचन को चुनौती देते हुए इफ्तेखार (मुन्ना) अंसारी ने जिला कोर्ट में चुनाव याचिका प्रस्तुत की थी। इसमें आरोप लगाया था कि सुनहरा अंसारी ने नामांकन फार्म के साथ अपनी संपत्ति के संबंध में जो नो-ड्यूज प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है वह गलत है। टैक्स की गणना भी कम की गई। यह आरोप भी लगाया था कि अंसारी ने भ्रामक प्रचार किया और मतदाताओं को भ्रमित किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने निगम अधिकारियों के बयान भी दर्ज किए थे। मौखिक निर्देश पर जारी किया था प्रमाण पत्र निगम के अधिकारी महेंद्रसिंह राठौर ने अपने बयान में बताया था कि उन्हें नो-ड्यूज प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत पत्र जारी नहीं हुआ था। उन्होंने मौखिक निर्देश के आधार पर यह प्रमाण-पत्र जारी किया था। कोर्ट ने इस बयान के आधार पर नो-ड्यूज प्रमाण पत्र की वैधानिकता को संदिग्ध माना।

मामूली राशि जमा कर बनवाया था नो ड्यूज सर्टिफिकेट- 103 पेज के फैसले में कोर्ट ने यह भी माना कि सुनहरा अंसारी के पति और उनकी संपत्तियों पर नगर निगम को टैक्स के रूप में बड़ी राशि वसूलना थी। यह राशि लंबे समय से बकाया थी। बावजूद इसके मामूली राशि जमा करवाकर नो-ड्यूज प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया था। आचार संहिता के उलंघन को देखते हुए कोर्ट ने सुनहरा अंसारी का निर्वाचन शून्य घोषित कर दिया।

फिलहाल कोई पार्षद नहीं रहेगा- याचिका में निकटतम प्रतिद्वंदी को निर्वाचित घोषित किए जाने की मांग की गई थी, लेकिन कोर्ट ने इससे इंकार कर दिया। कोर्ट ने इसके पीछे हाई कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला दिया है। कोर्ट ने फैसले में लिखा कि उपविजेता को विजेता घोषित होने के लिए इस बात के साक्ष्य देना होते हैं कि अगर विजेता चुनाव नहीं लड़ता तो दावेदार को निर्वाचित उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए वैध मतों का बहुमत प्राप्त हो जाता, लेकिन इस मामले में ऐसा कोई साक्ष्य रिकार्ड पर नहीं है। सिर्फ अनुमान के आधार पर कोर्ट इस संबंध में आदेश नहीं दे सकती।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, ग्राम खजराना में लगभग 80 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील जूनी इंदौर अंतर्गत ग्राम खजराना स्थित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की बड़ी कार्रवाई की गई।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जूनी इंदौर श्री घनश्याम धनगर के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने नगर निगम इंदौर तथा पुलिस विभाग के सहयोग से संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान ग्राम खजराना की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 435/1/1/1, रकबा 1.200 हेक्टेयर पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए वहां निर्मित 7 दुकानें, 2 मकान, झोपड़ियां एवं अस्थायी टीन शेड को हटाया गया।

तहसीलदार श्री राकेश सस्तिया ने बताया कि इस कार्रवाई से लगभग 80 करोड़ रुपये मूल्य की बहुमूल्य शासकीय भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई। प्रशासन के अनुसार उक्त भूमि पर भविष्य में अस्पताल का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा तथा जनहित के कार्यों के लिए भूमि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भविष्य में भी अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध इसी प्रकार की सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 7 कुख्यात बदमाश जिलाबदर, 3 पर थाना हाजिरी के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर कर दिया है। वहीं 3 अन्य आदतन अपराधियों के खिलाफ निर्बंधन आदेश जारी कर उन्हें निर्धारित शर्तों के तहत नियमित रूप से संबंधित थाने में हाजिरी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के तहत की गई है।

पुलिस के अनुसार जिलाबदर किए गए बदमाशों में सादिक गुलफाम भी शामिल है, जिसके खिलाफ तीन हत्या, तीन हत्या के प्रयास सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि ये सभी आरोपी लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त थे और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद लगातार कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बने हुए थे।

जिन सात बदमाशों को जिलाबदर किया गया है उनमें सादिक गुलफाम, मोहम्मद अयाज, फैजल उर्फ कालू शाह उर्फ मांडा, फारुख उर्फ लंबू, कारण उर्फ कन्नू, गणेश परमार उर्फ पटेल और किशोर उर्फ कुणाल शामिल हैं। पुलिस आयुक्त ने इन सभी को निर्धारित अवधि के लिए इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण तथा सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमा से बाहर रहने के आदेश जारी किए हैं।

इसके अलावा मनीष उर्फ चिकना, लोकेश चौहान और नीलेश पंवार के खिलाफ निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं। इन तीनों को निर्धारित अवधि तक संबंधित थाने में नियमित हाजिरी देने, किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं होने तथा लोकशांति भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहने जैसी शर्तों का पालन करना होगा।

बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने के लिए भोपाल में राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग, भोपाल द्वारा दिनांक 17 जुलाई, 2026 को मध्यप्रदेश काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) एवं किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन में बाल कल्याण समिति की भूमिका÷ विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम श्री रामेन्द्र सिंह, महासचिव, भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनिल कोठारी, गहानिदेशक, मध्यप्रदेश काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल तथा श्रीमती सुधा विजय सिंह भदौरिया, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, जिला न्यायालय, भोपाल, आयोग की सदस्य श्रीमती सोनम निनामा एवं श्रीमती अर्चना गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बाल कल्याण समितियों की कार्यप्रणाली में एकरूपता लाना मुख्य उद्देश्य- कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश की समस्त बाल कल्याण समितियों की कार्यप्रणाली में एकरूपता स्थापित करना, सदस्यों की विधिक एवं पुक्रियागत दक्षता का संवर्धन करना, विभिन्न जिलों के अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान सुनिश्चित करना तथा राज्य की वाल संरक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं बालहित सर्वोपरि के सिद्धांत के अनुरूप सुटढ़ बनाना था।

कानूनी प्रावधानों और व्यावहारिक चुनौतियों पर गहन मंथन- इस प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला में प्रदेश के समस्त जिलों की बाल कल्याण समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों को लैंगिक अपराधों से चालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) तथा किशोर न्याय (वालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में वाल संरक्षण संबंधी वैधानिक प्रावधानों, प्रक्रियात्मक कार्यवाही, वालहित सर्वोपरि के सिद्धांत, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन, विभागीय समन्वय, बाल कल्याण समिति की भूमिका, प्रकरण प्रबंधन, अभिलेख संधारण, आयोग की रिपोर्टिंग प्रणाली तथा संवेदनशील प्रकरणों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण जैसे महत्वपूर्ण विपयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संवेदनशील व्यवहार और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने पर बल- प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में श्री रामेन्द्र सिंह द्वारा बाल संरक्षण व्यवस्था को अधिक संवेदनशील एवं प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण में बालक अथवा बालिका के सर्वोतम हित को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए वाल कल्याण समितियों को आपसी समन्वय, संवे संवेदनशील दृष्टिकोण एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप कार्य करना चाहिए। उन्होंने समितियों को प्रत्येक प्रकरण में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उत्तरदायित्वपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्णय लेने हेतु प्रेरित किया।

एमपीसीएसटी के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने अपने उद्बोधन में वर्तमान समय में बाल संरक्षण प्रणाली को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नवीनतम तकनीकी संसाधनों एवं डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग से वाल संरक्षण तंत्र को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाया जा सकता है।

भाजपा जिला नीमच की नई जिला कार्यसमिति घोषित, स्थायी, विशेष आमंत्रित एवं कार्यसमिति सदस्यों का मनोनयन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संभाग प्रभारी सुरेश आर्य एवं जिला प्रभारी सुभाष पटेल की सहमति से भाजपा जिला नीमच की जिला कार्यसमिति, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की घोषणा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ने की।

जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा के अनुरूप समर्पण, निष्ठा एवं कर्मठता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और जिले में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्थायी आमंत्रित सदस्य- सांसद सुधीर गुप्ता (मंदसौर), विधायक ओमप्रकाश सखलेचा (जावद), विधायक दिलीपसिंह परिहार (नीमच), विधायक अनिरुद्ध माधव मारू (मनासा), जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जनसिंह चौहान (नीमच), प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा पवन पाटीदार (नीमच), पूर्व विधायक दुलीचंद जैन (जावद), पूर्व विधायक विजेन्द्रसिंह मालाहेड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा (नीमच), वरिष्ठ कार्यकर्ता हेमंत हरित (नीमच), महेंद्र भटनागर (नीमच) एवं श्रीमती अवंतिका जाट (बाग पिपलिया)।

विशेष आमंत्रित सदस्य- राकेश भारद्वाज (नीमच), संतोष चौपड़ा (नीमच), यशवंत सोनी (मनासा), बगारदीराम गुर्जर (मनासा), मदनलाल खटीक (कोज्या), सुंदरलाल मोगरा (मोरवन), जगदीश गुर्जर (झालरी), खुराजसिंह चौरड़िया (नीमच), शांतिलाल बगाड़ (जावद), लादूराम पालीवाल (सिंगोली), राकेश जैन (रामपुरा), पंकज पोरवाल (मनासा), सुरेन्द्र सेठी (नीमच), अनिल नागौरी (नीमच), उमरावसिंह गुर्जर (नीमच), डॉ. अनूप व्यास (मनासा), राकेश बैरागी (अठाना) एवं विरेन्द्र पाटीदार (जयसिंहपुरा)।

जिला कार्यसमिति सदस्य- मनीष चौरसिया, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा, मिश्रीलाल रियार, संतोष पंजाबी, अशोक जोशी, कमलसिंह राठौर, सत्यानारायण मंडवारिया, ममता मोदी, कृष्णा सोनी, निर्भयराम राठौर, रिंका जैन, सुगनाबाई गुर्जर, सोहनीबाई मेघवंशी, चंदादेवी बैरागी, अशोक रामचंदानी, गोपाल शर्मा, शैलेन्द्र ठाकुर, जगदीश नागदा, संजय मुजावदिया, अमरलाल गुर्जर, सत्यानारायण डबकरा, जमनाबाई भील, मंजुबाई शर्मा, कोमल बग्गड़, प्यारसिंह चुंडावत, बापूसिंह चौहान, शांतिलाल टेलर, मानसिंह गुर्जर, गोविन्द चारण, रामकुंवर उदिया, रंजना शर्मा, नीलिमा मारू, धर्मेन्द्र बैरागी, मुकेश जाट, सोहन माली, गंगाराम सुरावत, मेहरसिंह जाट, राजेश पाटीदार, शोभाराम खाती, रामेश्वर धनगर, बाबूलाल धनगर, दिलीप भंडारी, प्रमिला सारू, अजय जोशी, दिनेश अहीर, मुरली शर्मा, माया नागदा, राजेन्द्र नाहर, सुरेन्द्र खींचा, मुकेश तावरे, लक्ष्मणसिंह भाटी, राजू मुकाती, हेमलता परिहार, शारदाबाई धनगर, स्नेहलता राजावत, दीपक नागदा, प्रेमलता खारोल, सीमा जागीरदार, सीमा तिवारी, उर्मिला पटवा, मनोहर राठौर, पंकज जैन, जगदीश धाकड़, ओंकार जैन, शिवनंदन छीपा, सुनीता लबाना, ममता सोनी, समीप चौधरी, सामंतसिंह चौहान, विनय मारू, सुनील कटारिया, नरेंद्र पोराणिक, श्रीराम गोडबोले, शौकीन पामेचा एवं सुनीता मेहता को जिला कार्यसमिति सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

भाजपा जिला नीमच परिवार ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल, सक्रिय एवं संगठनहित में समर्पित कार्यकाल की मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं।

इस संबंध में जानकारी जिला मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी एवं सह मीडिया प्रभारी शुभम शर्मा ने दी।

दुग्ध समृद्धि अभियान 2.0 अंतर्गत ग्राम अल्हेड़ में पशुपालकों से संवाद,योजनाओं की दी जानकारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार,मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 2.0 के अंतर्गत ग्राम अल्हेड़ में पशुपालकों से संवाद किया गया। संवाद के दौरान अनुविभागीय अधिकारी किरण अंजाना एवं मैदानी अमले ने पशुपालकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालन को लाभकारी बनाने के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान पशुपालकों को पशुओं के संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन एवं वैज्ञानिक डेयरी पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही दुग्ध सहकारी समितियों से जुड़कर नियमित दूध विक्रय करने तथा विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया। अधिकारियों ने बताया कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन में वृद्धि कर पशुपालकों की आय बढ़ाना तथा उन्हें आधुनिक पशुपालन तकनीकों एवं शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है। कार्यक्रम में उपस्थित पशुपालकों ने भी अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अधिकारियों को अवगत कराया, जिनके त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया गया।

धारा 49 की बाध्यता समाप्त करने के कारण पेंशनर्स में प्रसन्नता की लहर-बीएस सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के समय धारा 49 के कारण मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनर्स को समय से डीए प्राप्त नहीं हो पाता था। जिसके कारण दोनों प्रदेशों के मिलाकर करीब 6 लाख पेंशनरों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। किंतु छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संगठनों के द्वारा इस मांग को जीवित रखा गया परंतु भारतीय मजदूर संघ की पेंशनर्स इकाई सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ मध्य प्रदेश के अथक प्रयासों से तथा मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के विशेष आग्रह पर दोनों सरकारों के बीच में आपसी सहमति संपन्न हुई तथा धारा 49 की बाध्यता समाप्त से कर दी गई। उक्त विचार व्यक्त करते हुए मंदसौर जिले के जिला संयोजक बी.एस. सिसौदिया ने कहा कि इस निर्णय के लिए मध्य प्रदेश सरकार धन्यवाद की पात्र है तथा सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारी पेंशन महासंघ मंदसौर के समस्त पेंशनर की ओर से सरकार का तथा मंदसौर विधानसभा के पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया द्वारा एक अशासकीय संकल्प के पारित करने से इस मांग को जो बल प्रदान किया गया है उसके लिए आभार व्यक्त करते हैं। इस दिशा में सराहना करते हुए बीएस सिसौदिया ने कहा कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री एवं मल्हारगढ़ विधायक जगदीश देवड़ा के योगदान को भी सदैव याद रखा जाएगा।

सीएससी का 17वां स्थापना दिवसः उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ग्रामीण उद्यमियों का सम्मान, डिजिटल सेवा संगम में बढ़ते डिजिटल भारत की झलक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर ÷डिजिटल सेवा संगम÷ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल और सरकारी सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचाने वाले वीलेज लेवल एंटरप्रेन्योर के योगदान को सम्मानित करना और डिजिटल इंडिया अभियान में उनकी भूमिका को रेखांकित करना रहा।

कार्यक्रम में जिलेभर से सीएससी संचालकों, वीएलई एवं विभिन्न डिजिटल सेवा प्रदाताओं ने भाग लिया। इस दौरान बीते वर्षों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए आमजन तक सरकारी योजनाओं और ऑनलाइन सेवाओं को सहज रूप से पहुंचाने वाले ग्रामीण उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि आज कॉमन सर्विस सेंटर ग्रामीण भारत में शासन और नागरिकों के बीच एक मजबूत डिजिटल सेतु बन चुके हैं, जिनके माध्यम से लोगों को घर के नजदीक ही अनेक महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

वक्ताओं ने बताया कि सीएससी के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड, आधार संबंधी सेवाएं, बैंकिंग सुविधा, बीमा, पेंशन, बिजली बिल भुगतान, विभिन्न प्रमाण-पत्र, ऑनलाइन आवेदन सहित अनेक सरकारी एवं डिजिटल सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण नागरिकों का समय और खर्च दोनों बच रहे हैं तथा डिजिटल सशक्तिकरण को भी नई गति मिली है।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले वीएलई के अनुभव भी साझा किए गए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और लोगों को तकनीक से जोड़ने में आने वाली चुनौतियों एवं उपलब्धियों पर अपने विचार रखे। अतिथियों ने सभी संचालकों से भविष्य में भी इसी समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

शहर स्थित आवास बैंक में आयोजित इस समारोह में सम्मानित वीएलई को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन डिजिटल सेवाओं के विस्तार, नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुलभ बनाने तथा ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

जावद तहसील में वर्षाकालीन कंट्रोल रूम के लिए संशोधित ड्यूटी आदेश जारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा ऋतु में संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जावद ने तहसील कार्यालय जावद में संचालित कंट्रोल रूम के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी में संशोधन करते हुए संशोधित आदेश जारी किए हैं। कंट्रोल रूम 15 अक्टूबर 2026 तक 24 घंटे संचालित रहेगा।

जारी आदेश के अनुसार प्रथम पाली (सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक) में श्री घनश?याम मेघवाल मो. 9098452015, द्वितीय पाली (दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक) में श्री दिनेश धाकड मो. 9340532918 एवं श्री राजेन?द्र करवाडिया मो. 9993131747, जबकि तृतीय पाली (रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक) में श्री नानालाल मोगिया मो. 9407229306 तथा श्री शांतिलाल धाकड मो. 9425107624 रिजर्व दल के रूप में तैनात रहेंगे। कंट्रोल रूम प्रभारी ऑफिस कानूनगो नेपालसिंह राजपूत को बनाया गया है। किसी भी आपात स्थिति अथवा वर्षा संबंधी सूचना कंट्रोल रूम के दूरभाष 07420-232241 अथवा प्रभारी के मोबाइल 9229437585 पर दी जा सकती है।

हाउसिंग कॉलोनी में पूर्व विधायक पुरोहित के घर चोरी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूर्व विधायक स्वर्गीय ओमप्रकाश पुरोहित के हाउसिंग कॉलोनी स्थित घर में बिती रात्रि अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों की टीम ने ताला तोड़कर घर के अंदर अलमारी में रखे जेवर व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मामले की सूचना जैसे ही पुलिस को लगी, सभी सक्रिय हुए। डॉग स्कवाट की टीम पहुंची तथा पड़ताल की गई। फोरेसिंक टीम ने भी जाकर साक्ष्य जुटाए हैं। मौके पर कोतवाली टीआई पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ एवं अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे, जहां सीसीटीवी केमरे खंगाले गए। इस तरह सांसद के घर के सामने लगे केमरे में चार आरोपी दिखाई दिए हैं। बताया गया है कि पूर्व विधायक स्व. पुरोहित के बेटे क्षितिज पुरोहित व उनकी पत्नी अपने बेटे से मिलने इंदौर पहुंचे थे। इस कारण घर सूना था। सूना घर पाकर बदमाशों ने पहले रैकी की, फिर वारदात को अंजाम दिया। शनिवार सुबह जब घर पर कार्य करने वाली महिला पहुंची, तब ताला टूटा हुआ मिला। दोपहर तक क्षितिज पुरोहित मंदसौर पहुंचे। कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। घर से कितने जेवर व नकदी चोरी हुई है, इसका आकलन नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

जिला परिवहन अधिकारी ने स्कूल बसों, यात्री बसों एवं डम्परों की जांच की

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार 18 जुलाई को जिला परिवहन अधिकारी जगदीश बिल्लोरे एंव कार्यलयीन स्टाफ द्वारा जिले में स्थित स्कूल में संचालित होने वाली स्कूल वाहनों, यात्री बसों एवं मालयानों की चेकिंग की गयी, स्कूल बसों में परमिट, फिटनेस, बीमा, पी.यू.सी., आपातकालीन खिड़की एवं दरवाजे, व्ही.एल.टी.डी., एस.एस.आर.पी. प्लेट की जांच की गयी एवं वाहन को चलवाया जाकर स्पीड गवर्नर को बारिकी से चेक किया गया जो चालू हालत में पाये गये साथ ही वाहनों की गति भी स्पीड गवर्नर डिवाईस के अनुसार नियंत्रित होना पाई गयी।

चेकिंग के दौरान वाहन चालकों को अग्निशमन यंत्र तथा इमरजेंसी खिड़की व दरवाजे का आपातकालीन स्थिति में उनका उपयोग किये जाने की समझाईश दी गयी। 1 स्कूल वाहन का वैध बीमा नहीं पाये जाने से समन शुल्क की राशि रूपये-5,000/- वसूल की गयी. 1 स्कूली वाहन का पी.यू.सी. वैध नहीं होने से समन शुल्क की राशि रूपये 5,000/- तथा 02 स्कूल वाहनों के वायपर इंडिकेटर चालू नहीं होने से समन शुल्क की राशि रूपये-10,000/- वसूल की गयी। इस प्रकार 04 स्कूली वाहनों से कुल समन शुल्क की राशि रूपये-20,000/- वसूल की गयी हैं। उक्त कार्यवाही के दौरान 1 स्कूली वाहन के कोई भी वैध प्रपत्र नहीं पाए जाने से जप्ती की कार्यवाही की जाकर वाहन सुरक्षार्थ कार्यालय परिसर में खड़ा किया गया।

यात्री बसों की चेकिंग के दौरान 01 वाहन का पी.यू.सी. वैध नहीं पाया गया हैं, इस कारण से समन शुल्क की राशि रूपये 5,500/- वसूल की गयी। 01 डम्फर बिना परमिट पाए जाने से समन शुल्क की राशि 35,000/- वसूल की गयी।

इस प्रकार 04 स्कूल बसों, 01 यात्री बस एवं 01 डम्फर की चेकिंग के दौरान पाई गयी प्रपत्रों की कमियों से कुल समन शुल्क की राशि रूपये-60,500/- वसूल की गयी हैं।

भगवान श्री कृष्ण पर विवादित बयान को लेकर मंदसौर में शिवसेना ने फूंका मौलाना जर्जिस का पुतला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री भगवद्गीता के श्लोकों की गलत व्याख्या कर भगवान श्री कृष्ण पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में देशव्यापी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में मंदसौर के गांधी चौराहे पर शिवसेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मौलाना जर्जिस अंसारी के खिलाफ उग्र प्रदर्शन करते हुए उसका पुतला दहन किया शिवसैनिकों ने मौलाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि समय रहते सार्वजनिक मंच से माफी नहीं मांगी गई, तो पूरे प्रदेश देश में उग्र आंदोलन चलाया जायेगा।

शिवसेना के नेताओं ने स्पष्ट किया कि किसी भी धर्मग्रंथ की व्याख्या उसके मूल पाठ, व्याकरण और प्रामाणिक भाष्यों के आधार पर होनी चाहिए, न कि अपनी किसी विशेष मान्यता को सिद्ध करने के लिए। शिवसैनिकों ने कहा कि पूरे श्लोक में कहीं भी नमाज़, पाँच वक्त या मुस्लिम जैसे शब्दों का कोई संकेत तक नहीं है। मौलाना जर्जिस द्वारा यह दावा करना कि भगवान श्रीकृष्ण पाँच वक्त की नमाज़ पढ़ते थे, मूल संस्कृत और सनातन धर्म के इतिहास के साथ खिलवाड़ है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गांधी चौराहे पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में शिवसेना के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से निम्नलिखित पदाधिकारी राज्य प्रमुख नाहर सिंह गौड़ अनिल माली (उप प्रमुख, उज्जैन संभाग) शुभम सिंह कच्छावा जिला प्रभारी, मंदसौर) सिकंदर भवानी(महानगर प्रमुख / जिला उप प्रमुख, मंदसौर)=कुलदीप सिंह गौड़(जिला मीडिया प्रभारी) महेश नायक(जिला कमांडो) राजेश ठन्ना(जिला सचिव) रघुनाथ जी नायक (जिला प्रमुख)

उपस्थित रहे। प्रदर्शन के अंत में शिवसेना ने दो टूक शब्दों में कहा कि शास्त्रों का अर्थ बदलकर समाज में भ्रम फैलाना पूरी तरह अनुचित है। यदि मौलाना ने तत्काल अपने बयान पर माफी नहीं मांगी, तो पुतला दहन का यह सिलसिला पूरे देश प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

अपर कलेक्टर श्री रावत ने बाल देखभाल संस्थाओं का किया निरीक्षण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र रावत एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा जिले में संचालित अशासकीय संस्थाओं देवप्रकाश सेवा संस्थान बालगृह, निवेदिता बालिकागृह, मातृछाया सेवा भारती शिशुगृह तथा शासकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया गया। देवप्रकाश सेवा संस्थान बालगृह में 11 बालक निवासरत पाए गए, जिनमें से 5 बालक नियमित रूप से विद्यालय में अध्ययनरत हैं। संस्था में सीसीटीवी कैमरे संचालित हैं तथा बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। निवेदिता बालिकागृह में 26 बालिकाएं निवासरत हैं। इनमें 10 बालिकाएं विद्यालय, 2 बालिकाएं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई तथा 5 बालिकाएं राज्य ओपन/प्राइवेट माध्यम में अध्ययनरत हैं। बालिकाओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाई गई। बारिश के मौसम को देखते हुए स्वच्छ पेयजल एवं साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। सेवा भारती शिशुगृह में 8 शिशु (5 बालक एवं 3 बालिकाएं) निवासरत हैं।

प्राथमिक शिक्षक भर्ती - दस्तावेज अपलोड और सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) नियोजन 2026 के लिए चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज अपलोड एवं सत्यापन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में जारी सूचना के अनुसार कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक (विशेष शिक्षा) चयन परीक्षा वर्ष 2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर नियोजन संबंधी प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित की जा रही है।

अभ्यर्थियों को 18 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रोफाइल पंजीयन, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने तथा जिला विकल्प का चयन करना होगा।

राज्य सरकार ने लागू की सख्त 'कॉस्ट कटिंग' नीति

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश में वित्तीय प्रबंधन और सरकारी खर्चों में पारदर्शिता को लेकर राज्य सरकारें अब बेहद सख्त रुख अपना रही हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 और आगामी वर्ष 2027-28 के बजट आवंटन को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। फिजूलखर्ची पर पूरी तरह लगाम लगाते हुए कई तरह की गतिविधियों और खर्चों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। प्रशासनिक स्तर पर इस कदम को कड़े वित्तीय अनुशासन और मितव्ययिता के रूप में देखा जा रहा है। यह नियम सभी सरकारी विभागों, निगमों, मंडलों, सार्वजनिक उपक्रमों और विश्वविद्यालयों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा।

वीआईपी संस्कृति और फिजूल खर्चों पर रोक- आदेशानुसार वीआईपी संस्कृति और फिजूलखर्ची से जुड़े कई बड़े खर्चों पर रोक लगा दी है। अब बेहद अनिवार्य मामलों को छोड़कर राज्य सरकार या उसके उपक्रमों के खर्च पर होने वाली सभी विदेश यात्राओं पर आगामी आदेश तक रोक रहेगी।

साथ ही नए साल या अन्य उत्सवों पर छपने वाले महंगे सरकारी कैलेंडर, डायरी के मुद्रण और वीआईपी उपहारों व स्वागत समारोहों के खर्च को भी पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अधिकारियों के हवाई सफर को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया गया है। इसके तहत सरकारी कार्यों के लिए इकोनॉमी क्लास के अलावा किसी भी अन्य श्रेणी में यात्रा करने पर पाबंदी लगा दी गई है।

कार्यशाला, बैठकों, प्रशिक्षण पर रोक- शासकीय बैठकों और कार्यालयों के रखरखाव में भी बड़े बदलाव किये गये हैं। अब होटलों या व्यावसायिक केंद्रों में होने वाली महंगी कार्यशालाओं, बैठकों और ट्रेनिंग प्रोग्राम्स पर रोक लगा दी गई है और इनके स्थान पर शासकीय भवनों के उपयोग या वर्चुअल माध्यम व वेबिनार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा कार्यालयों में होने वाले आंतरिक साज-सज्जा के गैर-जरूरी खर्चों को भी रोक दिया गया है।

व्हीकल पुलिंग नीति होगी अनिवार्य- परिवहन व्यवस्था को लेकर सरकार ने व्हीकल पूलिंग नीति को अनिवार्य किया है। इसके तहत यदि किसी अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है, तो उस पद के वाहन को किसी अन्य पात्र अधिकारी को स्थानांतरित किया जाएगा ताकि किराए के वाहनों का खर्च कम हो सके।

विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अनुबंधित गाड़ियों की संख्या सीमित करें और दो या दो से अधिक अधिकारियों के बीच एक ही वाहन आवंटित करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की नई परामर्श सेवाओं (Consultancy Services) के अनुबंध पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

राज्य के खजाने को मजबूत करने के लिए राज्य शासन ने एक और महत्वपूर्ण वित्तीय कदम उठाया है।

इसके अंतर्गत सभी निगमों, मंडलों और सरकारी उपक्रमों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने लाभांश की अधिकतम संभव राशि सीधे राज्य शासन के खाते में जमा कराएं।

आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि बजट 2027-28 की तैयारियों को देखते हुए सरकार का यह कदम जनता के टैक्स के पैसे को बुनियादी ढांचे व जन-कल्याणकारी योजनाओं में डाइवर्ट करने की दिशा में एक बड़ा और साहसिक प्रयास है।

सिलाई प्रशिक्षण ने बनाया आत्मनिर्भरता की राह का साथी, प्रमाण-पत्र पाकर खिल उठे चेहरे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 'हुनर ही आत्मनिर्भरता की सबसे बड़ी पहचान है।' इसी उद्देश्य को साकार करते हुए मंदसौर मानव सेवा कल्याणकारी संस्था द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को सम्मानपूर्वक प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रमाण-पत्र प्राप्त कर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंदसौर विधायक विपिन जैन ने कहा कि महिलाओं और युवतियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण समाज में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के साथ-साथ महिलाओं के आत्मविश्वास को भी नई पहचान देते हैं। इस अवसर पर संस्था के सचिव आसिफ खान, शहर काजी आसिफ़ उल्लाह साहब, वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष साकिर गढ़वी, ग्राम कचनारा के सरपंच हारून कुरेशी, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, हज कमेटी जिला अध्यक्ष शाहिद निज़ामी, सरवर खान (पत्रकार), जुल्फिकार शाह, अनवर खान पेटीवाले, नाहरू भाई (एम.के. इंजीनियरिंग), कांग्रेस नेता मज़हर खान, ब्लॉक स्काउट प्रभारी मोहम्मद उमर शेख, अकरम अंसारी, मोइन भाई, महमूद नागौरी, राजेंद्र बंजारिया, हसन मेव, समीर खान (एडवोकेट), इदरीश शाह, जफर कुरेशी, शाहिद मंसूरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें अपने कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार अपनाने और अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करने का संदेश दिया। समारोह का वातावरण उत्साह, सम्मान और आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहा। अंत में संस्था द्वारा सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

सम्पादकीय

भारत के विकास का अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण, कुछ भी असंभव नहीं है

नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा तीन गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था। पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप ही भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है।

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर जिंदगी के अवसान तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है।

अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चैतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास मैं अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है।

भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है।इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है। भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है।

भ्रम के युग में सत्य का प्रकाश

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा वर्ष 1970 में स्थापित सहजयोग ध्यान आज विश्व के 180 से अधिक देशों में आत्मसाक्षात्कार, आंतरिक शांति और आध्यात्मिक जागरण का सशक्त माध्यम बन चुका है। सहजयोग एक जीवंत, वैज्ञानिक एवं अनुभव-आधारित ध्यान पद्धति है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति का सहज जागरण होकर आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। यह आत्मसाक्षात्कार केवल एक आध्यात्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि चैतन्य की शीतल दिव्य अनुभूति के रूप में प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। नियमित सहजयोग ध्यान से व्यक्ति के मानसिक तनाव, भय, क्रोध और असंतुलन में कमी आती है तथा उसके व्यक्तित्व में प्रेम, करुणा, संतुलन, विवेक और आत्मविश्वास का स्वाभाविक विकास होता है। आज विश्वभर में लाखों साधक सहजयोग के माध्यम से आध्यात्मिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं।

श्री माताजी अपनी अमृतवाणी में स्पष्ट करती हैं कि वर्तमान कलियुग केवल भ्रम और संघर्ष का युग नहीं, बल्कि सत्य की खोज और आत्मसाक्षात्कार का सर्वश्रेष्ठ अवसर है। वे कहती हैं कि जब मनुष्य संसार के असत्य, असंतोष और भ्रम को पहचान लेता है, तभी उसके भीतर सत्य को जानने की वास्तविक जिज्ञासा जागृत होती है और वहीं से उसकी आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ होती है। श्री माताजी %दमयंती पुराण% का उल्लेख करते हुए बताती हैं कि कलियुग का वास्तविक महत्व इसी में है कि भ्रम के अनुभव के पश्चात मनुष्य सत्य की ओर अग्रसर होगा और अंततः आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करेगा। कलि स्वयं राजा नल से कहता है कि उसके समय में लोग भ्रमित अवश्य होंगे, किंतु उसी भ्रम से जागृत होकर वे सत्य की खोज करेंगे और दिव्य ज्ञान को प्राप्त करेंगे। हजारों वर्ष पूर्व कही गई यह भविष्यवाणी आज सहजयोग के माध्यम से साकार होती दिखाई देती है, जहाँ विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और देशों के लोग बिना किसी बाहरी परिवर्तन के अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना का अनुभव कर रहे हैं।

सहजयोग का संदेश है कि आध्यात्मिक उत्थान के लिए संसार का त्याग आवश्यक नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया जा सकता है। यह किसी धर्म, संप्रदाय या मत-विशेष तक सीमित नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर विद्यमान दिव्य शक्ति को जागृत कर उसे स्वयं के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराती है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है और इसका उद्देश्य मानव जीवन में शांति, संतुलन, नैतिकता तथा विश्वबंधुत्व की स्थापना करना है।

मेरा हक, मेरा सपना, मेरा लोकतंत्र – अब और इंतजार नहीं

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर-मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है–÷हमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए।÷ यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है।

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है–क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में ÷दूसरी श्रेणी का नागरिक÷ मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए।

इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया। प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, लेकिन जब वे अधिकारों में बाधा बनें, तो उन पर पुनर्विचार भी आवश्यक हो जाता है।

इस देरी की सबसे बड़ी कीमत देश की महिलाएं चुका रही हैं। आज लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम और राज्य विधानसभाओं में औसतन 10 प्रतिशत है। आरक्षण लागू होते ही सैकड़ों महिलाएं राष्ट्रीय नीति-निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण सिद्ध कर चुका है कि महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितकारी बनता है। जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिली है। जब गांव से नगर तक महिलाएं नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं, तब संसद के द्वार उनके लिए प्रतीक्षा का प्रतीक बने रहना लोकतंत्र की बड़ी विडंबना है।

इस पृष्ठभूमि में महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन सहित अनेक महिला संगठनों की मांग केवल राजनीतिक आग्रह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक न्याय की अपेक्षा है। उनका कहना है कि सरकार यदि महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्ध है, तो वर्तमान लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षण लागू कर जनगणना व परिसीमन की शर्त हटाए। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी व अन्य वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण सुनिश्चित हो। वे चुनावी व्यय में सरकारी सहायता और महिलाओं के नाम पर पुरुष रिश्तेदारों द्वारा संचालित प्रतिनिधि राजनीति पर रोक की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर महिला संगठन मानसून सत्र में संवैधानिक संशोधन, जंतर-मंतर पर धरना और देशभर में जनजागरण अभियान की घोषणा कर चुके हैं।

वास्तव में यह संघर्ष कुछ सीटों का नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान नहीं, निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी से तय होती है। शिक्षा, विज्ञान, न्यायपालिका, सेना, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अंतरिक्ष में क्षमता सिद्ध कर चुकी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को प्रशासनिक प्रक्रियाओं के नाम पर टालना लोकतांत्रिक न्याय के विपरीत है। अनेक लोकतंत्रों ने सिद्ध किया है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। इसलिए महिला आरक्षण केवल ÷महिला मुद्दा÷ नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी शासन, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न है। आधी आबादी की आवाज निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से न सुनी जाए, तो विकास अधूरा रहेगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून बनाना नहीं, उस पर विश्वास बनाए रखना है। यदि संवैधानिक अधिकार वर्षों तक लागू न हों, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे अधिकार हैं या केवल राजनीतिक घोषणा। जनगणना और परिसीमन आवश्यक संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, लेकिन उन्हें महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की शर्त बना देना संविधान की समान अवसर की भावना के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो ऐसा समाधान संभव है जिससे जनगणना और परिसीमन समय पर हों और महिलाओं का संवैधानिक अधिकार प्रतीक्षा का शिकार न बने। लोकतंत्र की विश्वसनीयता अधिकार टालने में नहीं, उन्हें समय पर लागू करने के साहस में निहित है। अब समय केवल निर्णय का नहीं, लोकतांत्रिक संकल्प निभाने का है। 20 जुलाई से जंतर-मंतर पर शुरू होने वाला आंदोलन किसी सरकार के विरोध का नहीं, बल्कि समान अधिकारों की लोकतांत्रिक पुकार है। यदि भारत ÷विकसित भारत÷ का लक्ष्य हासिल करना चाहता है, तो आर्थिक प्रगति के साथ राजनीतिक समानता भी सुनिश्चित करनी होगी। महिलाओं को प्रतीक्षा नहीं, नेतृत्व का अधिकार चाहिए। लोकतंत्र की सार्थकता कानून बनाने में नहीं, उसे समय पर लागू करने में है। आधी आबादी अब मौन दर्शक नहीं, समान अधिकार, सम्मान और प्रतिनिधित्व की दावेदार है। इतिहास गवाह है–अधिकार जितनी देर से मिलते हैं, लोकतंत्र उतना कमजोर होता है।

–कृति आरके जैन

सिर्फ सुरक्षा नहीं, भू-अर्थशास्त्र के नए दौर में भारत को चाहिए स्पष्ट आर्थिक सुरक्षा रणनीति

लंबे समय से, आर्थिक नीति दुनिया भर में ज्यादा मूल्य तैयार करने और लोगों की भलाई को बढ़ावा देने का एक जरिया रही है। लेकिन अब सरकारों को विवश होकर आर्थिक नीति को सुरक्षा या यहां तक कि प्रभुत्व हासिल करने के साधन के रूप में इस्तेमाल करना पड़ रहा है। भू-राजनीतिक दबावों ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि मूल्य सृजन के लिए बनाए गए आर्थिक साधन अब संपदा तक पहुंचने या उससे भी बुरा कहें तो उसे नष्ट करने के लिए उपयोग किए जा रहे हैं।

सरल शब्दों में कहें तो भू-अर्थशास्त्र का अर्थ है राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आर्थिक साधनों का उपयोग। चीन तथा अमेरिका के मामले में तो यह वैश्विक प्रभुत्व तक जाता है। समस्या यह है कि मूल्य सृजन के लिए बनाए गए ये उपकरण न तो सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं और न ही आर्थिक प्रभुत्व सुनिश्चित करने में। इन्हें सही ढंग से लक्षित करना कठिन है और इन्हें सीमित करना असंभव। सबसे बुरी बात यह है कि इनकी प्रवृत्ति उपयोगकर्ता और लक्ष्य दोनों को नुकसान पहुंचाने की होती है। अपनी तमाम स्वघोषित सफलताओं के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अपनी ही जनता को संतुष्ट नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उनकी नीतियों ने महंगाई के हालात बना दिए हैं। यही स्थिति शी चिनफिंग की भी है क्योंकि चीनी प्रभुत्व जताने की उनकी जल्दबाजी ने भारत समेत कई देशों को व्यापार और निवेश के मोर्चे पर सख्ती बरतने पर मजबूर कर दिया है। आज चीन को सबसे अधिक जरूरत वैश्विक बाजारों की है और उसकी नीतियों ने उसे उन्हीं बाजारों से वंचित कर दिया है जिनकी उसे सबसे अधिक आवश्यकता है।

जो बात ट्रंप और शी चिनफिंग तथा उनके प्रभुत्व की आवश्यकता पर लागू होती है वही छोटे देशों पर भी लागू होती है जिन्हें अपनी सुरक्षा के लिए ऐसे ही उपकरणों या साधनों का उपयोग करना पड़ेगा। औद्योगिक नीति और इसी तरह के उपायों का गलत उपयोग उसी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है जिसे हम बढ़ावा देना चाहते हैं। दुनिया भर में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं। भारत का स्वयं का 1991 से पहले का अनुभव इस बात से भरा पड़ा है कि सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर संसाधन डालने के बावजूद नतीजे में केवल राजकोषीय दबाव ही सामने आया।

कई लोगों का मानना है कि संभावित नुकसान के बावजूद भू-अर्थशास्त्र भारत के लिए बड़े अवसर ला सकता है। वे पूरी तरह गलत भी नहीं हैं। वर्तमान और उभरती हुई कई संभावनाएं हैं जहां भारत सामरिक आर्थिक उपकरणों का उपयोग करके अधिक आजीविका और कल्याण पैदा कर सकता है। साथ ही वह भू-राजनीतिक लक्ष्यों को भी हासिल कर सकता है। लेकिन ऐसा करने के लिए भारत को एक सुसंगत दृष्टि की आवश्यकता है जिसमें सरकार और बाहर के कई हितधारकों की सहमति शामिल हो। दूसरे शब्दों में कहें तो अब समय आ गया है कि भारत के पास एक आर्थिक सुरक्षा रणनीति हो।

–धनंजय राजौरा

संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100ऱ एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भों एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि संघ स्वयं राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों का निर्माण करने वाला संगठन है। शिक्षा, ग्राम विकास, पर्यावरण, सेवा, संस्कृति, श्रमिक संगठन, छात्र आंदोलन, महिला सशक्तीकरण, अनुसूचित वर्गों के उत्थान तथा आपदा राहत जैसे अनेक क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों की भूमिका का विस्तृत परिचय दिया गया है। विशेष रूप से सेवा कार्यों का विवरण इस पुस्तक की आत्मा है। कोरोना महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी समाज तथा अभावग्रस्त वर्गों के बीच संघ और उसके स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यों को तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ का सेवा कार्य केवल संकट के समय तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक साधना है।

पुस्तक में संघ से जुड़े अनेक मिथकों और विवादों पर भी खुलकर चर्चा की गई है। हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, जाति व्यवस्था, आरक्षण, महिलाओं की भूमिका, अल्पसंख्यकों के प्रति दृष्टिकोण तथा लोकतंत्र के प्रति संघ की प्रतिबद्धता जैसे विषयों को विस्तार से समझाया गया है। विशेष रूप से राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से महिलाओं की सहभागिता का विवरण उन धारणाओं को चुनौती देता है कि संघ में महिलाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। पुस्तक का एक आकर्षक अध्याय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को संघ की वैचारिक दृष्टि से देखता है।

वैचारिक दृष्टि से देखें तो पुस्तक बार-बार इस तथ्य को रेखांकित करती है कि संघ का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि चरित्रवान नागरिकों का निर्माण है। संघ के अनुसार राष्ट्र निर्माण का आधार व्यक्ति निर्माण है। शाखा इसी उद्देश्य की प्रयोगशाला है, जहां अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक समरसता का अभ्यास कराया जाता है। यही कारण है कि पुस्तक बार-बार यह स्थापित करती है कि स्वयंसेवक ही संघ का वास्तविक परिचय है। निस्संदेह किसी भी वैचारिक पुस्तक की तरह इस पुस्तक को भी विभिन्न दृष्टिकोणों से पढ़ा जा सकता है। आलोचक इसके कुछ निष्कर्षों पर असहमति व्यक्त कर सकते हैं, जबकि समर्थकों को इसमें अपने विचारों का प्रामाणिक आधार मिलेगा। किंतु इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पाठक को पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर संघ को उसके अपने संदर्भों में समझने का अवसर देती है। यही किसी भी गंभीर वैचारिक पुस्तक की सफलता होती है। संघ के विषय में पहले भी अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 100 वर्ष', 'कृति रूप संघ दर्शन', 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहली अग्निपरीक्षा', तथा सुनील आंबेकर की चर्चित कृति 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघऱ स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' उल्लेखनीय हैं। इन कृतियों की परंपरा में 'आरएसएस एट 100' अपनी समकालीन प्रस्तुति, व्यापक शोध और संतुलित संरचना के कारण विशिष्ट स्थान प्राप्त करती है।

–ललित गर्ग

शरद पवार के अगले कदम पर टिकी महाराष्ट्र की राजनीति, सियासी चुप्पी किसी बड़े राजनीतिक समझौते का संकेत

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) या राकांपा (एसपी) के पास लोक सभा में आठ सांसद, राज्य सभा में एक सांसद और महाराष्ट्र विधान सभा में 10 विधायक हैं। दलबदल निरोधक कानून के तहत अयोग्यता से बचने और अपनी सदस्यता न खो देने के लिए कम से कम छह सांसदों को दलबदल करना होगा।

पार्टी के दिग्गज नेता शरद पवार ने कथित तौर पर वार्ताकारों से कहा, 'जब सभी नौ मिल सकते हैं तो छह ही क्यों लेना?' यह बात उन्होंने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने के लिए समर्थन मांगने पर कही। यह विधेयक परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 सहित तीन विधेयकों के पैकेज का मुख्य संवैधानिक हिस्सा है, जिसे सरकार ने अप्रैल में पेश किया था लेकिन बहुमत की कमी के कारण पारित नहीं कर सकी थी।

पूरी संभावना है कि राकांपा (एसपी) अपने समर्थकों और प्रतिष्ठा को बचाए रखने के वास्ते तथा शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और तृणमूल कांग्रेस की तरह पतन से बचने के लिए विधेयकों के पक्ष में मतदान करेगी। संसद में तृणमूल कांग्रेस की हालत बहुत खराब है। उसके सदस्य भाजपा में शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने एक नई पार्टी बना ली है। शिवसेना के सांसदों ने भाजपा में शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ दी।

असल बात यह है कि अब उनमें से कोई भी उस पार्टी का सदस्य नहीं है जिसने उन्हें संसद भेजा था। पवार ने अपनी पार्टी को इस तरह के प्रयासों से बचा लिया है, भले ही इसका मतलब 'इंडिया' गठबंधन में अपने सहयोगियों को धोखा देना हो। इज्जत बचाने के लिए कुछ 'शर्तें' रखी गई हैंऱ राकांपा (एसपी) तभी विधेयकों के पक्ष में मतदान करेगी जब प्रत्येक राज्य से भेजे जाने वाले सांसदों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि की जाएगी।

गृह मंत्री अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि वे एक संशोधित विधेयक पेश करेंगे जिससे प्रत्येक राज्य की संसदीय सीटों की कुल संख्या में वृद्धि होगी, इसलिए यह 'शर्त' सरासर बेबुनियाद है।

शरद पवार भाजपा के साथ नजदीकियां पहली बार नहीं बढ़ा रहे हैं। वर्ष 1978 में, जब उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली वसंतदादा पाटिल गठबंधन सरकार को गिरा दिया और कई वामपंथी झुकाव वाले विधायकों के साथ सत्ता छोड़कर समानांतर कांग्रेस का गठन किया और 38 वर्ष की आयु में मुख्यमंत्री बने, तब जनसंघ सरकार का हिस्सा था। आरएसएस-जनसंघ के प्रमुख सदस्य उत्तमराव पाटिल मंत्री बने। दोनों पक्षों के बीच आपसी सम्मान है।

वर्ष 2016 में, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चरम पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा थाऱ 'पवार ने विधायक या सांसद के रूप में 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जो भारतीय राजनीति में अपने आप में एक उपलब्धि हैं। मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि पवार ने गुजरात में मेरे शुरुआती दिनों में मेरा हाथ थामा और मुझे चलना सिखाया।'

भाजपा का एक बड़ा वर्ग पवार से नफरत कर सकता है, लेकिन वह यह भी मानता है कि पवार आधुनिक महाराष्ट्र के निर्माताओं में से एक हैं और जीवन के इस पड़ाव पर उनका राजनीतिक अपमान राज्य में स्वीकार्य नहीं होगा। मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर पवार चाहे जो भी राय रखते हों, वह अपने समर्थकों की मजबूरियों से वाकिफ हैं। जितेंद्र आव्हाड और रोहित पवार समेत उनकी पार्टी के कई विधायकों और सांसदों के निर्वाचन क्षेत्रों में अल्पसंख्यक आबादी काफी अधिक है। वे भाजपा के सामने झुककर इस सद्भावना को खोना नहीं चाहते। पार्टी के दलित समर्थकों के लिए भी इस कदम का समर्थन करना मुश्किल होगा। इन वर्गों के नेता ही विरोध कर रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग तर्क दे रहे हैं कि इंडिया गठबंधन में रहने के बजाय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बनना बेहतर है। हमेशा की तरह चतुराई से शरद पवार दोनों वर्गों को खुश रख रहे हैं।

जनवरी में अजित पवार के शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से अलग होकर भाजपा के साथ गठबंधन करने और बाद में एक दुर्घटना में अजित पवार की अचानक मृत्यु हो जाने के बाद, विलय का मुद्दा सामने आया। इस दुर्घटना के बाद राकांपा के अजित गुट के विकास और प्रगति के लिए कोई स्पष्ट दिशा नहीं बची। उनकी पत्नी सुनेत्रा, जिन्हें गुट का अध्यक्ष घोषित किया गया है, और उनके चंचल स्वभाव वाले बेटे पार्थ पवार खुद को गुट का संरक्षक मानते हैं।

हालांकि, कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और नेता सुनील तटकरे ने कुछ दिन पहले कहा था कि अजित पवार की मृत्यु से पैदा हुए 'शून्य' को भरना आसान नहीं है और पार्थ पवार द्वारा उठाए गए कुछ कदमों पर नाराजगी के मद्देनजर 'सुधारात्मक उपाय' करने की आवश्यकता है। गुट तोड़ना मुश्किल होता है, खासकर जब सत्ता और नियंत्रण के मुद्दे भी इसमें शामिल हों। फिलहाल शरद पवार सिर्फ देख रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। अगर वह विलय करवाकर दोनों गुटों को राजग में शामिल कर लें तो सभी के लिए बहुत आसानी होगी।

–सुनील कुमार महला

पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

पुलिस पर लगाए असली कातिलों को बचाने के आरोप, सीबीआई जांच की मांग पर अड़े परिजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम नांदनी में 10 वर्षीय छात्र प्रियांशु मेवाड़ा की हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश कर दिया था। लेकिन शनिवार को मामले में नया मोड़ आ गया। जब परिजन सड़क पर चक्काजाम पर बैठ गए। उनका आरोप था कि पुलिस असली कातिलों से दूर है और उन्हें बचा रही है। पुलिस ने एक नाबालिग पर सारे आरोप डालकर पल्ला झाड़ लिया। परिजनों ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

ग्रामीणों के इस उग्र प्रदर्शन के कारण मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिसके बाद पुलिस को यातायात वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट करना पड़ा। परिजनों का कहना था कि जिस पर हत्या का आरोप लगाया गया है उसी से हमने कुछ देर पहले बात की थी। वह आरोपी कैसे हो सकता है। पुलिस पर ग्रामीणों ने धमकाने के भी आरोप लगाए हैं। जबकि पुलिस का कहना है कि पुलिस ने पूरी कार्रवाई की और छानबीन व पूरी जांच के बाद ही कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

यह था मामला- दरअसल गुरूवार शाम को कक्षा चैथी का छात्र प्रियांशु मेवाड़ा अचानक लापता हो गया था, जिसका शव शुक्रवार सुबह गांव के पास बिजली कंपनी के पावर ग्रिड के मैदान में मिला था। पुलिस ने इस मामले में एक नाबालिग को गिरफ्तार कर दावा किया था कि उसने राजश्री गुटखा मंगवाने के विवाद में छात्र की हत्या की। जिसे गिरफ्तार भी किया जा चुका है। लेकिन पुलिस की कार्रवाई पर परिजन सवाल उठा रहे हैं ओर निष्पक्ष जांच व मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। मृतक के पिता सुरेश मेवाड़ा और मां ने इस थ्योरी को पूरी तरह खारिज कर दिया है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस असली कातिलों को बचाने के लिए यह मनगढ़ंत कहानी गढ़ रही है, जबकि इस जघन्य हत्याकांड में अन्य लोग शामिल हैं।

पुलिस पर लगाया दबाव बनाने का आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग - चक्काजाम कर रहे परिजनों ने कालापीपल पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें थाने बुलाकर डराने और मामले को रफा-दफा करने का दबाव बनाया गया। स्थानीय पुलिस की निष्पक्षता पर अविश्वास जताते हुए परिजनों ने पूरे मामले की सीआईडी या किसी अन्य स्वतंत्र उच्च स्तरीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है, ताकि उनके बेटे के असली हत्यारे पकड़े जा सकें।

अधिकारियो ने खुलवाया जाम- धरना स्थल पर प्रदर्शन के दौरान स्थिति को संभालने के लिए एएसपी घनश्याम मालवीय और शुजालपुर एसडीओपी निमिष देशमुख पुलिस बल के साथ मौके पर मुस्तैद रहे। शुजालपुर और कालापीपल सहित आसपास के कई थानों की पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।

इनका कहना है- पुलिस द्वारा प्रापर इन्वेस्टिगेशन की गई थी। इसके बाद कार्रवाई की गई है। ग्रामीणों के आरोप निराधार हैं।

- प्रियंका शुक्ला, एसपी-शाजापुर

गोहिल के नेतृत्व में हुआ भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर कांग्रेस नेता जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह गोहिल मित्रमंडल द्वारा बस स्टेंड पर एक निजी परिसर में मप्र विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष ओर चुरहट विधायक अजयसिंह राहुल भैया का भव्य स्वागत हजारो कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में किया गया। श्री यादव यहां पर कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में कांग्रेसजनों से मिलने पहुचे थे।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसियों वीरेन्द्र व्यास, बालकृष्ण चतुर्वेदी, महेंद्र सोनी, देवीलाल सौराष्ट्रिया, चंदरसिंह पटेल मक्सी, रमेश चन्द्र पाटीदार सिरोलिया, सुरेशचंद्र वर्मा, शकुंतला चैहान, काजी एहसान उल्ला साहब सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजनों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय सिंह राहुल भैया ने कांग्रेस नेता वीरेंद्र सिंह गोहिल की प्रशंसा भी की और कहा कि कांग्रेस की मजबूती के साथ लिए सभी एकजुट होकर काम करते रहो और आगे बढ़ते रहो। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ धर्म के नाम पर वोट मांगती है। जबकि कांग्रेस के लोग हर धर्म हर समाज हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सभी को साथ लेकर चलते हैं। उन्होंने अपील की कि आने वाले विधानसभा के चुनाव में हमारी सिर्फ आपसे एक ही प्रार्थना है कि टिकट विधानसभा में चाहे किसी को मिले लेकिन हम और आप जिसे टिकट मिले उसे जीतने की जवाबदारी आपकी और हमारी है। कार्यक्रम को पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राजेन्द्र मालवीय, रामवीरसिंह सिकरवार, कैलाशचंद्र मटोलिया, रईस पठान, शैलेन्द्र श्रीमाल, विनीत दीक्षित, सुरेश पाटीदार, अजीत जैन, अशोक परमार, भोजराज पवार, भूपेंद्र सिंह चैहान, सुनील नाहर, मंगीलाल बंजारा, हेमेन्द्र सिंह सोलंकी, अशफाक खान, वाजिदअली शाह, सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर हाजी नईम कुरेशी, इब्राहिम पठान, शब्बीर भाई, याकूब खान, अफसार खान, मेहरबानसिंह पटेल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयंत सिकरवार, विपुल दीक्षित, इरशाद नागोरी, वरुण त्रिवेदी आदि उपस्थित थे।

एपीके फाईल पर क्लीक करते ही कट गए 25 हजार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय लालपुरा क्षेत्र में रहने वाले एक बेकरी संचालक साइबर ठगी का शिकार हो गए। 10 जुलाई को व्हाट्सएप पर आई संदिग्ध एपीके फाइल पर क्लिक करने के बाद उनका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद साइबर ठगों ने उनके एसबीआई बचत खाते से 25,400 रू. निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लालपुरा निवासी मोहम्मद आफताब शाह (39) पिता अब्दुल रशीद शाह को 10 जुलाई की रात करीब 9 बजे उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से एपीके फाइल आई थी। उन्होंने अनजाने में उस पर क्लिक कर दिया। इसके बाद उनका मोबाइल कथित रूप से हैक हो गया। घबराहट में उन्होंने संबंधित नंबर और फाइल डिलीट कर दी। इसके बाद 14 जुलाई को दोपहर करीब 1 बजे उनके मोबाइल पर एसबीआई बैंक से 5,000 डेबिट होने का मैसेज मिला। बैंक पहुंचकर स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि उनके बचत खाते से 5-5 हजार रुपए के पांच ट्रांजेक्शन और ?400 का एक अन्य ट्रांजेक्शन कर कुल ?25,400 निकाल लिए गए। ट्रांजेक्शन के बाद खाते में केवल 82 शेष बचे थे। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने किसी को भी राशि ट्रांसफर नहीं की थी। घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने सबसे पहले राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कोतवाली थाने पहुंचकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ शिकायत दी।

बामनिया को सोशल वर्क के लिए दिल्ली में मिली डॉक्टरेट उपाधि

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में हुए सम्मानित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में वर्षों से निरंतर सेवाएं दे रहे नगर के समाजसेवी एवं अखिल भारतीय बलाई समाज (पंजी.) नई दिल्ली तथा कबीर फाउंडेशन शाजापुर के संस्थापक अध्यक्ष दिलीपसिंह बामनिया को सोशल वर्क के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली में आयोजित समारोह में दिया गया।

कान्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में आयोजित लेगेसी शिखर सम्मेलन-2026 के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में अमेरिका इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (यूएसए) के संस्थापक एवं कुलपति डॉ. सांग वान पार्क, रजिस्ट्रार क्यूंग बाई एन सहित विशिष्ट अतिथियों पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश राय खन्ना, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति एसएन शुक्ला तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अवर सचिव सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। यह प्रतिष्ठित सम्मान श्री बामनिया को समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, नारी शक्ति सम्मान, शिक्षक सम्मान, नशा मुक्ति अभियान, रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन, सामाजिक समरसता तथा जनजागरण से जुड़े अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का निरंतर प्रयास किया है। उनकी यह उपलब्धि न केवल शाजापुर बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. दिलीपसिंह बामनिया ने कहा कि यह मानद डॉक्टरेट केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि उन सभी माता-बहनों, गुरुजनों, पत्रकार साथियों, समाजजनों और युवा कार्यकर्ताओं के आशीर्वाद, सहयोग और विश्वास का प्रतिफल है, जो वर्षों से उनके साथ सामाजिक सेवा के कार्यों में जुड़े रहे हैं। हमारी संस्था द्वारा समय-समय पर मातृशक्ति, शिक्षकों एवं समाज के प्रेरणास्त्रोत व्यक्तित्वों का सम्मान किया जाता रहा है। हमारी युवा टीम वर्ष में दो बार रक्तदान कर अनेक लोगों का जीवन बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह सम्मान मैं पूरे सर्व समाज को समर्पित करता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी आप सभी का स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद इसी प्रकार मिलता रहेगा। जब श्री बामनिया सम्मान लेकर शाजापुर लौटे तो उनका स्थानीय रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर रामचंद्र चैहान, बाबूलाल गोयल, राजेश पारछे, मूसा आजम खान, विक्रम मालवीय, धर्मेंद्र मालवीय, अनिल मालवीय आदि उपस्थित थे।

रेस्क्यू के दौरान सांप ने डंसा, हालत स्थिर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्योति नगर में शनिवार को एक मकान से सांप का रेस्क्यू करने के दौरान प्रोफेशनल स्नेक रेस्क्यू एक्सपर्ट जितेंद्र मालवीय को सांप ने आंख के पास डस लिया। इसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। समय पर उपचार मिलने से उनकी हालत अब स्थिर है। शनिवार को ज्योति नगर स्थित एक मकान में सांप होने की सूचना मिलने पर जितेंद्र मालवीय मौके पर पहुंचे। सांप को पकड़ने के दौरान उसने पलटवार करते हुए उनकी आंख के पास काट लिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। सांप के काटने के बावजूद जितेंद्र मालवीय ने पहले सांप का सुरक्षित रेस्क्यू पूरा किया और उसे जंगल में छोड़ा। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे उनके मित्र गोलू मालवीय उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उपचार के बाद भर्ती कर लिया। जितेंद्र मालवीय ने बताया कि उन्हें रेड स्नेक ने काटा था, जो विषैला नहीं होता। उन्होंने बताया कि समय पर उपचार मिलने से उनकी हालत अब खतरे से बाहर है।

अभाविप ने सांदीपनि विद्यालय गेट पर जड़ा ताला, बसों की कमी को लेकर जताया विरोध, जल्द व्यवस्था करने की भी की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बसों की मांग को लेकर सरदार वल्लभभाई पटेल सांदीपनि विद्यालय के मुख्य गेट पर शनिवार को एबीवीपी कार्यकर्ता और छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। सूचना पर प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और समझाइश के बाद मामला शांत कराया।

प्रदर्शन के दौरान जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार गौरव पोरवाल, एसडीओपी अजय मिश्रा और लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जिला शिक्षा अधिकारी दीपा किर को ज्ञापन सौंपकर एक सप्ताह के भीतर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करने की मांग की। अभाविप के नगर मंत्री आयुष शर्मा ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर बसों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो परिषद उग्र आंदोलन करेगी और सड़क पर चक्का जाम किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन और जिला शिक्षा अधिकारी की होगी। मामले में जिला शिक्षा अधिकारी दीपा किर ने बताया कि इस साल नए प्रवेश के कारण स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अतिरिक्त बसों की जरूरत पड़ी है। इसके लिए कमिश्नर को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि पहले भी प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन अन्य जिलों से मांग नहीं आने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने कहा कि हाल ही में डीपीआई स्तर पर इस संबंध में चर्चा हुई है। सभी जिलों के प्रस्ताव एक साथ भेजे जाएंगे। वित्त विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में विद्यालय में 15 बसें संचालित हैं, जबकि यहां करीब 2,800 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि बसों की कमी के कारण उन्हें हर दिन स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के अभाव में सूखने लगे खेत, मुरझाने लगी फसलें

फसलों को बचाने कड़ी धूप में मशक्कत कर रहे किसान, गर्मी व उमस से नगरवासियों का भी हो रहा बुरा हाल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब 15 दिनों से आसमान साफ है। न बारिश हुई और न बूंदाबांदी। जिससे आषाढ़ में भी लोगों को जेठ सी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इधर बारिश के अभाव में बोवनी कर चुके किसानो के माथे पर भी चिंता की लकिरें साफ दिखाई दे रही हैं। क्योंकि अब फसलों को पानी की आवश्यकता है। यदि जल्द ही बारिश नहीं होती है तो किसानो को दोबारा बोवनी की नौबत आ सकती है।

नगर में गत दिनों अच्छी बारिश हुई थी। जिसके चलते किसानों ने खेतों में बोवनी कर दी थी, जिनकी फसलें अब 20 से 25 दिन की हो चुकी है। जिनमें फूल आने लगे हैं। इसी के साथ फसलों में अब इल्ली का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। अब किसानों के साथ परेशानी यह है कि वे दवाई का छीड़काव कर भी दें और यदि बारिश नहीं होती है तो उनकी दवाई बेकार चली जाएगी। यही नहीं फसलों में अब फूल भी आने लगे हैं जिसके चलते अब किसानों को पानी की आवश्यकता महसूस होने लगी है। किसानों की माने तो यदि दो दिन और बारिश नहीं होती है तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। जिसे बचाने के लिए किसान कड़ी धूप में खेतों में डोरे चला रहे हैं औ स्प्रिंकलर से सिंचाई कर फसलों के लिए पानी की पूर्ति में जुटे हुए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी उन किसानों के साथ है जिनकी बल्डी की जमीन है। यहां फसलें अब दम तोड़ती नजर आ रही हैं।

आज रात से मिल सकती है राहत- मौसम विभाग की माने तो एक-दो दिन में बारिश की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि एक नया सिस्टम बना है जिसके चलते नगर में बारिश शुरू हो सकती है। उन्होंने बताया कि रविवार की रात को बारिश की शुरूआत हो सकती है, लेकिन ज्यादा बारिश नहीं होगी। इसके बाद 20 जुलाई से जिले में निरंतर बारिश की संभावना बन रही है। जिससे गर्मी से भी राहत मिलेगी और फसलों को भी फायदा होगा।

स्कूली वाहनों की संयुक्त जांच अभियान, नियमों के उल्लंघन पर वाहन जप्त एवं चालानी कार्रवाई

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में शनिवार सुबह जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा जिले में स्कूली वाहनों की संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्कूली वाहनों एवं बच्चों के परिवहन में उपयोग किए जा रहे वाहनों की सघन जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

संयुक्त टीम द्वारा जेल तिराहा पर जांच के दौरान कुल 3 वाहन जप्त किए गए। इनमें से लक्ष्य अकादमी स्कूल से संबंधित एक वाहन द्वारा आवश्यक परमिट के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर नियमानुसार वाहन को रिलीज किया गया, जबकि शेष 2 निजी श्रेणी के वाहन नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने पर जप्त किए गए।

इसके पश्चात टीम ने सांदीपनि स्कूल, कल्याणपुरा का निरीक्षण किया। यहां विद्यालय परिसर में कुल 5 स्कूल बसें खड़ी मिलीं। जांच के दौरान सभी बसों के दस्तावेज पूर्ण पाए गए तथा वाहनों की भौतिक स्थिति भी संतोषजनक एवं नियमानुसार पाई गई।

संयुक्त दल द्वारा क्रिएटिव कॉन्वेंट स्कूल, कल्याणपुरा में निरीक्षण के दौरान ऐसे 5 वाहन पाए गए, जिन्हें विद्यार्थियों के अभिभावकों द्वारा निजी रूप से किराये पर लगाया गया था। जांच में सभी वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन किया जाना पाया गया, जिस पर संबंधित वाहनों को जप्त कर कार्रवाई की गई।

इस दौरान विद्यालय संचालक श्री अरुण डामोर को निर्देशित किया गया कि विद्यालय आने-जाने वाले सभी वाहनों एवं उनके चालकों का संपूर्ण रिकॉर्ड संधारित करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन न हो। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में विद्यालय प्रबंधन की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

अभियान के दौरान एक तूफान वाहन बिना वैध बीमा के संचालित पाए जाने पर 3,000 रुपये का चालान किया गया। वहीं, एक अन्य तूफान वाहन में निर्धारित क्षमता से 25 बच्चे अधिक बैठाकर परिवहन किए जाने पर 5,000 रुपये का चालान किया गया। अन्य प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन कर बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से संयुक्त जांच अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नशे के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान, चार आरोपियों के खिलाफ की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

एसपी को मिली शिकायत के बाद पुलिस ने की सख्ती

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के कमरदीपुरा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर पुलिस ने सख्ती की है। स्थानीय निवासियों की शिकायत के बाद पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। इसके साथ ही क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है।

यह पूरी कार्रवाई शुक्रवार शाम को शुरू हुई, जब कमरदीपुरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में रहवासी एसपी कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने एसपी प्रियंका शुक्ला को एक ज्ञापन देकर शिकायत की थी कि क्षेत्र में कुछ लोग खुलेआम नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। इस गंभीर शिकायत को संज्ञान में लेते हुए पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे कमरदीपुरा में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में स्थानीय लोगों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रहवासियों से सीधा संवाद किया गया और अवैध नशे के कारोबार में लिप्त असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी गई। इस दौरान उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा न करने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की शिकायत और प्राथमिक जांच के आधार पर क्षेत्र के लखन पिता नरसिंह यादव निवासी तेलीवाड़ा, चेतन बरोड पिता राजेश बरोड निवासी तेलीवाड़ा, कलीम पिता सलीम शेख निवासी लक्ष्मीनगर व शाबीर पिता चांद बेग निवासी कमरदीपुरा के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि पुलिस टीम लगातार कमरदीपुरा और आसपास के इलाकों में गश्त कर रही है। अवैध नशे का कारोबार करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी मादक पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिलती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी।

जिले में अवैध शराब के विरूद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के विरूद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा घाटीगांव क्षेत्र में दबिश देकर प्रभावी कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान 5500 किलो गुड़लहान अवैध शराब जब्त की गई। विभाग द्वारा सात प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं। सहायक आबकारी आयुक्त श्री राकेश कुर्मी ने बताया कि 17 जुलाई को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने चीनोर, घाटीगांव एवं मोहना क्षेत्र में दबिश देकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान घाटीगांव स्थित कंजर डेरे से 10 लीटर हाथभट्टी मदिरा बरामद की गई। वहीं, मोहना स्थित कंजर डेरे से 11 प्लास्टिक टंकियों में लगभग 5,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद हुआ। मौके पर गुड़ लहान के नमूने लेकर शेष लहान को फैलाकर विधिवत नष्ट किया गया।

अमानक स्तर के खाद्य पदार्थों के 16 प्रकरणों में 7 लाख 80 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में खाद सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा अमानक स्तर के खाद्य पदार्थ पाए जाने एवं पुनः अपराध करने और बिना पंजीयन के खाद्य कारोबार करने के आरोप में बनाए गए 16 प्रकरणों में सुनवाई उपरांत अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं न्याय निर्णायक अधिकारी ग्वालियर श्री अनिल बनवारिया द्वारा आदेश पारित कर 7 लाख 80 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। इसके साथ ही दो फर्मों का खाद्य पंजीयन रद्द करने के आदेश भी पारित किए हैं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने खाद्य सुरक्षा को लेकर नियमित अभियान चलाकर बिना पंजीयन खाद्य कारोबार करने वालों एवं अमानक स्तर के खाद्य पदार्थ पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निरंतर जिले में भ्रमण कर अमानक स्तर के खाद्य पदार्थों की सेम्पलिंग करने के साथ ही बिना पंजीयन के खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वालों के विरूद्ध भी कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले के सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जिन प्रकरणों में अर्थदण्ड की कार्रवाई की गई है, उनमें संबंधित से राशि वसूलने की कार्रवाई भी सख्ती के साथ की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट अथवा अमानक स्तर के खाद्य पदार्थों का विक्रय किसी भी स्थिति में जिले में नहीं होना चाहिए। ऐसा करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

अअपर जिला मजिस्ट्रेट श्री अनिल बनवारिया ने अपने न्यायालय में प्रकरणों की सुनवाई करते हुए 16 प्रकरणों में 7 लाख 80 हजार रुपए की राशि का जुर्माना अधिरोपित किया है। इसके साथ ही दो फर्मों का रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया है। उन्होंने जिन फर्मों के विरूद्ध जुर्माना अधिरोपित किया है उनसे राशि वसूलने की कार्रवाई तत्परता से करने के निर्देश दिए हैं। जिन प्रकरणों में जुर्माना अधिरोपित किया गया है उनमें अजय बघेल पुत्र जगदीश बघेल बहोड़ापुर, कोमल चौरसिया पुत्र दयाराम चौरसिया टेकनपुर, जगमोहन पुत्र राससिंह गुर्जर गोल पहाड़िया, मोहन पाल पुत्र पूरन सिंह गिरगांव, मनोज अग्रवाल पुत्र राजेन्द्र अग्रवाल ठाठीपुर, गोपी पंजवानी पुत्र लक्ष्मणदास पंजवानी यूनिवर्सिटी रोड, मनीष पुत्र देवेन्द्र सिंह गिरवाई पहाड़ी आदी।

श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुआ हेड बॉय एवं हेड गर्ल का चयन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर हायर सेकेंडरी स्कूल, आलोट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हेड बॉय एवं हेड गर्ल का चयन पूर्णतः लोकतांत्रिक, पारदर्शी एवं अनुशासित चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में उत्साह, अनुशासन एवं लोकतांत्रिक वातावरण का विशेष उत्साह देखने को मिला।

हेड बॉय पद के लिए दिव्यांश गोस्वामी, अंकित सोलंकी एवं महेंद्र सिंह परिहार ने अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की, जबकि हेड गर्ल पद के लिए इंसिया लोखंडवाला, जितिशा भट्ट एवं राजनंदिनी लोहार चुनाव मैदान में रहीं।

चुनाव में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रक्रिया बैलेट पेपर एवं इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराई गई। विद्यार्थियों ने जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ मतदान कर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था का परिचय दिया।

मतगणना के उपरांत दिव्यांश गोस्वामी को हेड बॉय तथा राजनंदिनी लोहार को हेड गर्ल निर्वाचित घोषित किया गया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्षोल्लास का वातावरण बन गया तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विजेताओं का पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी चुनाव प्रक्रिया विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व, अनुशासन, निर्णय लेने की योग्यता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने का यह एक व्यावहारिक एवं प्रभावी माध्यम है, जो विद्यार्थियों को भविष्य का जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी उम्मीदवारों की सराहना करते हुए विजयी हेड बॉय एवं हेड गर्ल से अपेक्षा व्यक्त की कि वे विद्यालय की गरिमा बनाए रखते हुए विद्यार्थियों का प्रभावी नेतृत्व करेंगे तथा विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन में विभाग प्रमुख वीरेंद्र सिंह पंवार सहित योगेंद्र मीणा, नीरज जैन, रिकीकांत मेतवासा, एम. एस. सिसोदिया, लतेश पाटीदार, महेंद्र राठौर, पल्लवी परिहार, रिजवाना खातून एवं एरिक नायडू सहित समस्त शिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

कृषि उपज मंडी स्थित नागदेवता मंदिर की वार्षिक बैठक आयोजित

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी स्थित नागदेवता मंदिर की वार्षिक बैठक दिनांक 17/7/2026 को आयोजित की गई, जिसमें मंदिर की आय - व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया तथा आने वाली नागपंचमी पर धूमधाम से आरती एवं महाभंडारा और मंदिर के संचालन के लिए नवीन समिति का गठन किया गया! समिति में सर्वसम्मति से श्याम पोरवाल को अध्यक्ष एवं साकेत पोरवाल को सचिव तथा विनोद मोदी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया! बैठक में शेलेश आंचलिया, प्रदीप काँकानी, मनीष सेठिया, ताल मंडी सचिव प्रवीण चौहान, लोकेश झंडी,टीकम चंद अग्रवाल प्रतिक सेठिया, राजेश कोठारी, अशोक काला, अशोक वेद, राहुल मेहता, योगेश कोठारी,दशरथ देवड़ा, श्याम पाटीदार, जीतेन्द्र दायमा, भोला कोदिया, मुकेश नायक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित हुवे!

देपालपुर में अच्छी बारिश के लिए सोमवार को होगी बाग रसोई

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जलवायु परिवर्तन का प्रकोप कहे या फिर अल लिनो(इस वर्ष) का जो साल दर साल बढ़ते ही जा रहा है, जहां एक और देखो तो हर वर्ष गर्मी अपने चरण सीमा पर पहुंच जाती है लेकिन बारिश के कुछ आसार नहीं है। हर वर्ष की तुलना में इस वर्ष भी मौसम वैज्ञानिक को ने कम बारिश के आसार बताएं हैं, यह संकट किसानों के लिए अब विकराल रूप ले चुका है खेतों में खड़ी सोयाबीन की फसले बोवनी के बाद पानी की एक-एक बूंद को तरस रही है इसी संकट से निपटने के लिए एवं इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए देपालपुर नगर में बाग रसोई का आयोजन सोमवार को नगर वासियों द्वारा किया जाएगा बाग रसोई में सामूहिक भोजन बनाकर भगवान इंद्रदेव को भोग लगाया जाता है जिससे गांव में अच्छी बारिश हो.।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वन अधिकारों तथा धारा 3(1)(ए) में उल्लिखित सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन संबंधी अधिकारों को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से शनिवार को स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ के ऑडिटोरियम में जिला, उपखंड एवं ग्राम स्तरीय वन समितियों के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश टास्क फोर्स समिति के सदस्य श्री मिलिंद थट्टे ने वन अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

सरपंच, सचिव, उपयंत्री व रोजगार सहायकों की संयुक्त कार्यशाला सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के सभागार में शुक्रवार को जिले की जनपद पंचायत पुनासा, पंधाना एवं छैगांवमाखन के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, सहायक यंत्री, उपयंत्री, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों की संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए विकसित भारत जीरामजी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने इस अवसर पर मध्यप्रदेश ग्रामीण नलजल योजना के संचालन संधारण एवं प्रबंधन नियमों के बारे में बताया। उन्होंने इस अवसर पर 16वें वित्त आयोग के सम्बंध में शासन के निर्देशों व प्रावधानों के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर विभागीय मास्टर ट्रेनर्स ने उपस्थित मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, सहायक यंत्री, उपयंत्री, सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन के सम्बंध में मार्गदर्शन दिया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित सरपंच एवं सचिवो एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नीति आयोग के तारा अर्थात टूलकिट फॉर एनालिसिस रिव्यू एंड एक्शन के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी दी गई।

उड़निया मंदिर में होगा हर का हरि से महामिलन

जगन्नाथ रथयात्रा में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हृदय में भक्ति का समंदर, आँखों में प्रेमाश्रु और जुबां पर %जय जगन्नाथ% का महाघोष... कुछ ऐसा ही अलौकिक और भाव-विभोर कर देने वाला नजारा इस बार फिर बदनावर की पावन धरा पर साकार होने जा रहा है। सदियों का इंतजार, हजारों वर्षों की प्रतीक्षा और भक्तों की आस्था का महापर्व अब उस पल का गवाह बनने जा रहा है, जिसकी कल्पना मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर 25 जुलाई 2026, शनिवार को निकाली जाएगी। यह रथयात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि 'हर' (महादेव) और 'हरि' (श्री विष्णु) के उस दिव्य मिलन की साक्षी बनेगी, जिसे देखने के लिए देवता भी स्वर्ग से लालायित रहते हैं।

हमारे शास्त्रों में 'हरि-हर' के मिलन की एक बेहद मार्मिक पौराणिक कथा है। कहते हैं कि जब भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण किया था, तब स्वयं देवाधिदेव महादेव उनके इस रूप को देखने खिंचे चले आए थे। उस समय दोनों शक्तियों का एकाकार हुआ था, जिसे जगत ने %हरिहर% रूप में पूजा। शिवपुराण और भागवत में उल्लेख है कि शिव और विष्णु दो नहीं, बल्कि एक ही चेतना के दो नाम हैं। शिव के हृदय में विष्णु वास करते हैं और विष्णु के हृदय में शिव। 25 जुलाई को बदनावर की गलियों में यही सनातन सत्य जीवंत होने जा रहा है।

जगन्नाथ रथयात्रा का सबसे अद्भुत और चमत्कारी पहलू इसका गंतव्य है। जिस प्रकार ओडिशा के पुरी में महाप्रभु जगन्नाथ का विश्व प्रसिद्ध मंदिर स्थित है, ठीक उसी ओडिशा स्थापत्य कला में आज से 1200 वर्ष पूर्व ओडिशा के ही महान शिल्पकारों द्वारा बदनावर में श्री बैजनाथ महादेव मंदिर का निर्माण किया गया था। स्थानीय लोक परंपराओं में इस भव्य मंदिर को %उड़निया मंदिर% के नाम से जाना जाता है। हजारों साल बाद ऐसा दिव्य संयोग बन रहा है, मानो ओडिशा की कला से निर्मित बाबा बैजनाथ का यह धाम स्वयं ओडिशा के राजा महाप्रभु जगन्नाथ की अगवानी के लिए सदियों से पलकें बिछाए बैठा था। यह केवल दो मंदिरों का नहीं, बल्कि हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत और दो दिव्य ऊर्जाओं का अनुपम संगम है।

25 जुलाई 2026, शनिवार को पंढ़रीनाथ मंदिर दुर्गाचौक पर महाप्रभु जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अत्यंत सुसज्जित और भव्य रथ पर विराजमान होंगे जहा हजारो की संख्या में भक्तगण रथ का रस्सी खींचकर नगर के मुख्य मार्गों–भेरू उखलिया, सभामंच, मोदी चौराहा, जाहर मार्ग, सोमेश्वर चौराहा, पिपलेश्वर महादेव और बस स्टैंड होते हुए श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंचाएंगे।

जैसे ही रथयात्रा श्री बैजनाथ महादेव मंदिर (उड़निया मंदिर) पहुंचेगी, श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ेगा। भक्तजन अपनी सुध-बुध खोकर, महाप्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की विग्रह मूर्तियों को रथ से अपने कंधों पर उठाएंगे। जयकारों की गूंज के बीच, इन प्रतिमाओं को बाबा बैजनाथ के गर्भगृह में ले जाया जाएगा, जहाँ %हर% का %हरि% से मिलन होकर महाआरति होगी यह दृश्य इतना मार्मिक होगा कि हर आँख श्रद्धा से नम हो जाएगी। महाआरति पश्चात् महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा जो फलहारी रहेगा। रथयात्रा आयोजन की तैयारी पूर्ण करने हेतु हिन्दू समाज तत्परता से लगा हुआ है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय, उज्जैन में विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं जेंडर क्लब के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के गांधी हॉल में एक प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अंजना बुंदेला एवं जेंडर क्लब प्रभारी डॉ. पूजा साहू द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके साथ कौशल विकास भी सफलता की अनिवार्य शर्त बन चुका है। इसी दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में कौशल आधारित शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि संचार कौशल, डिजिटल दक्षता, नवाचार, नेतृत्व क्षमता एवं उद्यमिता जैसे कौशल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करते हैं। छात्राओं से उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को निरंतर विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि आज बेटियाँ प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आदरणीय श्री कृष्णकांत शर्मा ने विश्व युवा कौशल दिवस के इतिहास, उद्देश्य एवं वैश्विक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं तथा विशेष रूप से महिलाओं के सशक्तिकरण एवं कौशल उन्नयन हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पावर-पॉइंट प्रस्तुति एवं प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विषय को अत्यंत रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अंजना बुंदेला ने किया तथा आभार प्रदर्शन जेंडर क्लब प्रभारी डॉ. पूजा साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. कविता जैन, डॉ. आनंद सिंदल, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. सरोजनी टोपनो एवं डॉ. विमल लोदवाल सहित बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

केंद्रीय विद्यालय विदिशा का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह ने बांधा समां

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय विदिशा का स्थापना दिवस शनिवार को हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह, प्रेरणादायी उद्बोधनों और उपलब्धियों के उत्सव का साक्षी बना। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। स्थापना दिवस समारोह ने विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण और संस्कारयुक्त शिक्षा की भावना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. मनीष निगम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी केंद्रीय विद्यालय के छात्र रहे हैं और उन्हें प्राप्त शिक्षा एवं संस्कारों ने उनके जीवन की सफलता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

समारोह का एक विशेष आकर्षण स्टार प्लस के लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम दिल है हिंदुस्तानी की रनर-अप सौम्या शर्मा की संगीतमय प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी मधुर आवाज़ में ÷सत्यम् शिवम् सुंदरम्÷ गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। वहीं विद्यालय के संगीत शिक्षक उदय प्रताप सिंह ने ÷ऐसी लागी लगन÷ भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को भक्तिमय वातावरण प्रदान किया। विद्यालय के शिक्षक कपिल भार्गव द्वारा केंद्रीय विद्यालय विदिशा पर विशेष रूप से रचित गीत की प्रस्तुति भी समारोह का प्रमुख आकर्षण रही। विद्यालय के इतिहास, गौरव और उपलब्धियों पर आधारित इस गीत को उपस्थित सभी लोगों ने सराहा।

मुख्यमंत्री निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना से दिव्यांग दंपति को मिला आत्मनिर्भर जीवन का संबल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएँ जब समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुँचती हैं, तो वे उनके जीवन में आशा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखती हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायी मिसाल झाबुआ जिले की रामा तहसील के ग्राम झीरावदिया (पोस्ट खरडु) निवासी श्री गणपत पिता भूरा नलवाया एवं उनकी धर्मपत्नी ने प्रस्तुत की है।

दिव्यांग दंपति ने 4 जून 2025 को सामाजिक एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया। दोनों के दिव्यांग होने के कारण वैवाहिक जीवन की शुरुआत अनेक आर्थिक एवं सामाजिक चुनौतियों के बीच हुई। सीमित संसाधनों के कारण उनके सामने भविष्य को लेकर कई चिंताएँ थीं।

मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दंपति को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता ने उनके जीवन को नई दिशा और नया आत्मविश्वास दिया।

प्राप्त राशि से दंपति ने अपने घर के लिए आवश्यक सामग्री खरीदी, भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आर्थिक बचत की शुरुआत की तथा स्वरोजगार की दिशा में भी योजना बनानी प्रारंभ कर दी। आज वे आत्मविश्वास एवं सम्मान के साथ अपना वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रहे हैं। आर्थिक सहयोग मिलने से उनकी चिंताएँ काफी हद तक कम हुई हैं और वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहे हैं।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा का जिला स्तरीय कार्यक्रम सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त सांदीपनि विद्यालयों में 15 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी आठ सांदीपनि विद्यालयों का जिला स्तरीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव शनिवार को सांदीपनि विद्यालय, पेटलावद में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस अवसर पर मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों से निकलने वाले विद्यार्थी देश के अच्छे एवं जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में उज्जैन स्थित सांदीपनि गुरुकुल में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा प्राप्त की थी, जहां विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ जीवनोपयोगी ज्ञान, शास्त्र एवं शस्त्र विद्या सहित सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश शासन ने प्रदेश के जिला एवं विकासखंड मुख्यालयों पर संचालित सांदीपनि विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का निर्णय लिया है, ताकि विद्यार्थियों को नर्सरी से कक्षा 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इन विद्यालयों को आधुनिक संसाधनों एवं आवश्यक सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों का सम्मान करने, अनुशासन का पालन करने तथा पूरी लगन से अध्ययन करने का आह्वान किया।

अपने उद्बोधन में मंत्री सुश्री भूरिया ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन के अनावश्यक उपयोग से दूर रहने और पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन का प्रत्येक क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और यही समय भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है। उन्होंने युवाओं से तेज गति से वाहन नहीं चलाने, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी मेहनत करने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से अपने गांव, विकासखंड एवं जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जावर में उद्यानिकी की उन्नत खेती देखी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने शुक्रवार को खण्डवा जिले के ग्राम जावर का दौरा कर कृषक श्री अश्विन बादल सिंह सावले के खेत में जाकर खीरे की उन्नत फसल देखी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा सहित अन्य अधिकारी व किसान भी मौजूद थे। कृषक श्री अश्विन बादल सिंह सावले ने कलेक्टर श्री गुप्ता को बताया कि खीरे और टमाटर का उत्पादन कर वह एक वर्ष में एक एकड़ में 4 लाख रूपए तक आय प्राप्त कर रहा है। जावर ग्राम में आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी कलेक्टर श्री गुप्ता शामिल हुए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस अवसर पर उपस्थित किसानों से कहा कि परम्परागत फसलों को छोड़कर उद्यानिकी फसल अपनाएं, क्योंकि उद्यानिकी फसलों में किसानों को कई गुना अधिक आय प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की फसल में किसान जहां 30 हजार रूपए प्रति एकड़ आय प्राप्त कर पाता है, वहीं टमाटर और खीरे की खेती में किसान 4 लाख रूपए से अधिक भी कमा रहे हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने उपस्थित किसानों को स्प्रिंकलर, ड्रिप इरिगेशन तथा मल्चिंग के साथ आधुनिक पद्धति से उद्यानिकी फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया।

श्री अश्विन बादल सिंह सावले ने इस अवसर पर बताया कि उसने 4 वर्ष पूर्व अपने 2 एकड़ के खेत में खीरे और टमाटर का उत्पादन शुरू किया था। अच्छा लाभ मिला, तो धीरे धीरे उत्पादन बढ़ाया। गांव के अन्य किसानों को जोड़कर कृषक उत्पादक संगठन बनाया। अब उनके एफपीओ में कुल 160 किसान शामिल हो गए हैं, जो कि कुल 400 एकड़ क्षेत्र में सब्जी उत्पादन कर रहे हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का सशक्त केंद्र बनेगा : मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

मंत्री सुश्री भूरिया ने किया पेटलावद में सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शनिवार को पेटलावद में सखी वन स्टॉप सेंटर का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने सेंटर का अवलोकन कर उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी ली तथा महिलाओं को त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन से हुई। मंत्री सुश्री भूरिया ने बेटियों का पूजन कर उन्हें सम्मानित किया तथा समाज को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी सम्मान का प्रेरक संदेश दिया।

अपने उद्बोधन में मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण से ही मापी जाती है।

महाकाल में दान की अब होगी हाईटेक जांच, 5 मिनट में खुलेगा सोने-चांदी का राज

15 लाख की एक्सआरएफ कैरेट मीटर मशीन से बिना काटे-घिसे होगी शुद्धता की जांच, दानदाता के सामने होगी पूरी प्रक्रिया, पारदर्शिता बढ़ेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दान किए जाने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की जांच अब पूरी तरह आधुनिक तकनीक से होगी। मंदिर प्रबंध समिति ने करीब 15 लाख रुपए की लागत से अत्याधुनिक एक्स-रे फ्लोरेसेंस (ङ्कक्रस्न) कैरेट मीटर मशीन स्थापित की है। इस मशीन की मदद से केवल पांच मिनट में किसी भी आभूषण की शुद्धता, कैरेट और उसमें मौजूद अन्य धातुओं की सटीक जानकारी मिल जाएगी। खास बात यह है कि जांच के दौरान आभूषण को न तो काटना पड़ेगा, न घिसना और न ही पिघलाना होगा।

मंदिर की उप प्रशासक एवं डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि यह मशीन सीएसआर फंड से खरीदी गई है और महाराष्ट्र से मंदिर पहुंच चुकी है। मशीन के संचालन के लिए मंदिर परिसर में एयर कंडीशंड कक्ष तैयार किया जा रहा है। सभी तैयारियां पूरी होने के बाद सोमवार से इसका नियमित उपयोग शुरू कर दिया जाएगा।

दानदाता के सामने होगी जांच- नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु जब सोने या चांदी के आभूषण दान करेंगे तो उनकी जांच उसी समय उनके सामने की जाएगी। मशीन कुछ ही मिनटों में आभूषण की गुणवत्ता और कैरेट की रिपोर्ट दे देगी। इससे दान प्रक्रिया पहले से अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनेगी। मंदिर के रिकॉर्ड में भी पूरी तरह प्रमाणिक जानकारी दर्ज की जा सकेगी।

अब तक सुनार समिति करती थी परीक्षण- अब तक दान में मिले आभूषणों की तीन रसीदें बनाई जाती थीं। आभूषण मंदिर के कोठार में सुरक्षित रखे जाते थे, जिसके बाद अधिकृत तीन सदस्यीय सुनार समिति उनकी जांच कर यह तय करती थी कि धातु शुद्ध सोना या चांदी है या नहीं। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारियों की मौजूदगी में होती थी।

देश के चुनिंदा मंदिरों में होगा शामिल- मंदिर प्रशासन का कहना है कि इस आधुनिक मशीन के उपयोग के साथ महाकालेश्वर मंदिर देश के उन चुनिंदा मंदिरों में शामिल हो जाएगा, जहां दान में मिलने वाले बहुमूल्य आभूषणों की जांच अत्याधुनिक तकनीक से की जाती है। इससे जांच में लगने वाला समय कम होगा, मानवीय त्रुटियों की संभावना घटेगी और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

क्या है एक्सआरएफ कैरेट मीटर की खासियत

-केवल 5 मिनट में जांच रिपोर्ट।
-बिना काटे, घिसे या पिघलाए होगी जांच।
-सोना, चांदी और अन्य धातुओं की मात्रा का सटीक पता।
-दानदाता के सामने होगी पूरी प्रक्रिया।
-दान व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

सिंहस्थ के काम बनेंगे इंजीनियरिंग की लाइव लैब

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अब सिंहस्थ के निर्माण कार्यों से सीधे जोड़कर व्यवहारिक तकनीकी अनुभव दिलाया जाएगा। शुक्रवार को हुई महाविद्यालय की शासी निकाय की बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि छात्रों को निर्माण स्थलों का भ्रमण कराया जाए और उन्हीं परियोजनाओं पर तकनीकी प्रोजेक्ट तैयार करवाए जाएं। बैठक में यह भी तय किया गया कि सिंहस्थ परियोजनाओं से जुड़ी कंसल्टेंसी संस्थाओं में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि पढ़ाई के साथ उन्हें वास्तविक कार्य का अनुभव भी मिल सके। कलेक्टर ने महाविद्यालय परिसर में प्रस्तावित बाउंड्री वॉल के लिए स्वयं स्थल निरीक्षण करने की बात कही। साथ ही पुराने और अनुपयोगी कन्या छात्रावास के संबंध में आवश्यक स्वीकृतियां लेकर आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में विकास कार्यों और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े बजट प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। आधुनिक तकनीकी शिक्षा पर जोर देते हुए कलेक्टर ने अध्यापन और अध्ययन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बदलती तकनीक के अनुरूप तैयार करना समय की जरूरत है। बैठक में प्राचार्य डॉ. आर.सी. गुप्ता सहित शासी निकाय के सदस्य, आरजीपीवी, एनआईटीटीटीआर, इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रतिनिधि और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मिलावट पर सख्ती... नमकीन, मिठाई और ब्रेड के सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए नमकीन, मिठाई और ब्रेड के नमूने लिए। यह कार्रवाई उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शिकायत मिलने पर छोटा सराफा स्थित विकास नमकीन एंड स्वीट्स से मूंगफली दाना चकती और आम पाक बर्फी के नमूने लिए। वहीं तोपखाना रोड स्थित अमन बेकरी से रोस्टेड ब्रेड का सैंपल भी जांच के लिए एकत्र किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद यदि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं मिलावटी या संदिग्ध खाद्य सामग्री बिकने की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत विभाग को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

बाइक सवार बदमाश ने दो लोगों पर चाकू से किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चामुंडा माता चौराहा से फ्रीगंज ब्रिज के पास कुछ मिनट में बाइक पर सवार बदमाश ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि चामुंडा माता चौराहा पर हरि फाटक ब्रिज के पास रहने वाला मोहम्मद अयुब पिता अब्दुल गफ्फार पैदल घर जा रहा था इस दौरान एक महिला द्वारा उसे रास्ता पूछा गया। मोहम्मद अयूब हाथ आगे बढ़कर रास्ता बता रहा था तभी बाइक से एक युवक आया और हाथ पर चाकू से हमला कर दिया। धारदार चाकू का वार लगते ही अयुब के हाथ की नस कट गई और वह लहूलुहान हो गया। हमला करने वाला बाइक से बाहर निकाल घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ देर बाद ही जानकारी मिली कि अयुब पर हमला करने वाले आरोपी ने फ्रीगंज ब्रिज के पास ग्राउंड होटल के सामने कपड़े का ठेला लगाने वाले मोहम्मद सईद पिता मोहम्मद हबीब 46 साल निवासी मिर्जावाड़ी पर चाकू से हमला कर गला काट दिया है। लोगों की मदद से पुलिस ने हमलावर को पकड़ कर माधव नगर पुलिस के सुपुर्द किया है। माधव नगर पुलिस द्वारा भी उसके खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया गया है। माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि हमला करने वाले का नाम कमल पिता देवीलाल निवासी बिछडोद होना सामने आया है। वह नशे की हालत में था। देवास गेट थाना पुलिस का कहना था कि माधव नगर पुलिस कार्रवाई के बाद आरोपी को पूछताछ के लिए लाया जाएगा। अस्पताल में भर्ती घायल अयुब ने बताया कि वह मकान कारीगर है, हमला करने वाले ने उसे 2 हजार रुपए भी छीन लिए हैं। देवास गेट पुलिस का कहना था कि घायल के बयान दर्ज कर हमला करने वाले के खिलाफ रुपए छीनने की धारा बढ़ाई जाएगी।

विक्रमोत्सव-2026 को मिला बीटा गोल्ड अवार्ड

इस साल तीसरा राष्ट्रीय अवार्ड- मुख्यमंत्री डॉ. यादव को भोपाल में सौंपा जाएगा सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देहरादून में आयोजित हिंदुस्तान 2.0 नेशनल चिंतन शिविर एवं एक्सपो में इंटरनेशनल कन्वेंशन ऑफ इवेंट इंडस्ट्री ने विक्रमोत्सव-2026 को गवर्नमेंट इवेंट ऑफ द ईयर श्रेणी में बीटा गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान मुख्यमंत्री को बीटा की टीम भोपाल पहुंचकर प्रदान करेगी।

खास बात यह है कि इस वर्ष विक्रमोत्सव को मिलने वाला यह तीसरा राष्ट्रीय सम्मान है।महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने कहा कि विक्रमोत्सव आज राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति, इतिहास और विरासत का बड़ा उत्सव बन चुका है। उन्होंने बताया कि यह सम्मान मध्यप्रदेश की उत्कृष्ट आयोजन क्षमता, सांस्कृतिक समृद्धि और जनभागीदारी की राष्ट्रीय स्तर पर मिली स्वीकृति है।

इस वर्ष 12 फरवरी से 30 जून तक 139 दिनों तक चले विक्रमोत्सव में सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों का भव्य आयोजन हुआ। जल गंगा संवर्धन अभियान, शिवोऽहम महादेव कार्यक्रम, महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य सहित 41 से अधिक गतिविधियों में चार हजार से ज्यादा कलाकारों ने प्रस्तुति दी। आयोजन से डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से 17.72 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनी, जो अपने आप में नया रिकॉर्ड है। इससे पहले विक्रमोत्सव-2026 को नई दिल्ली में आयोजित शो ऑफ इंडिया कॉन्क्लेव में कल्चरल लाइव इवेंट ऑफ द ईयर का गोल्ड और बेस्ट गवर्नमेंट पार्टिसिपेशन का सिल्वर अवार्ड मिल चुका है। वहीं वर्ष 2025

परिवार नियोजन, टीकाकरण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के शतप्रतिशत क्रियान्वयन हेतु संयुक्त बैठक आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय संयुक्त बैठक शनिवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने की। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री बृजेश त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-02 डॉ. मंजूषा पिप्पल, जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार पाल सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन के स्थाई एवं अस्थाई साधनों की शतप्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति, नियमित टीकाकरण के अंतर्गत शतप्रतिशत टीकाकरण पूर्ण करने, एफ.आई.सी. शतप्रतिशत रखने एवं टीकाकरण सेवाओं को युचिन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए। युचिन एवं एच.एम.आई.एस. रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की भिन्नता न होने का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। जिन क्षेत्रों में ए.एन.एम. पदस्थ नहीं है, वहाँ टीम वर्क अथवा सी.एच.ओ. के माध्यम से कार्य पूर्ण करवाने तथा सभी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की मैदानी स्तर पर प्रभावी मॉनीटरिंग कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों की लाइन लिस्टिंग के अनुसार आयुष्मान कार्ड शतप्रतिशत बनाने के भी निर्देश दिए गए।

अनमोल पोर्टल के नवीन संस्करण का संचालन निर्धारित दिशा-निर्देशानुसार करने एवं इसकी नियमित मॉनीटरिंग करने, गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत ए.एन.सी. पंजीयन एवं चार ए.एन.सी. जांच गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने, अनमोल पोर्टल पर सभी सेवाओं एवं इंडिकेटर्स की शतप्रतिशत प्रविष्टि करने, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची संस्था पर चस्पा करने, उनका प्रसव पूर्व पूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करने एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव करवाने के निर्देश दिए गए। जिले में शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने हेतु आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भवती महिलाओं से निरंतर समन्वय रखने तथा घर पर प्रसव शून्य करने पर बल दिया गया।

ए.एन.सी. पंजीयन के समय ही गर्भवती के समस्त आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने, हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ बिना विलंब प्रदान करने, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के ए.एन.सी. डाटा एवं सभी सेवाओं की रिपोर्ट में एकरूपता रखने एवं प्रत्येक शनिवार को समीक्षा बैठक आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए।

इजराइल के कीमती वाल्व चुराते रंगे हाथ धरा चोर, ग्रामीणों ने मौके पर ही कर दी धुनाई

नर्मदा परियोजना के 28 वाल्व बैग में भरकर ले जा रहा था आरोपी, 55 गांवों की पेयजल व्यवस्था पर मंडरा रहा था संकट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले के तराना क्षेत्र में शुक्रवार शाम नर्मदा पेयजल परियोजना से इजराइल से मंगाए गए कीमती वाल्व चोरी करने वाले एक युवक को अधिकारियों और ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी के पकड़े जाते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और लोगों ने उसकी मौके पर ही जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार नर्मदा परियोजना के ओएमएस बॉक्स में लगे विशेष पीएफसीएमबी वाल्व पिछले कई दिनों से लगातार चोरी हो रहे थे। इन वाल्वों की चोरी से तराना, शाजापुर, मक्सी और महिदपुर क्षेत्र के 55 गांवों की पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया था। लगातार हो रही चोरी से विभाग की चिंता बढ़ गई थी, जिसके बाद कर्मचारियों को विशेष निगरानी और गश्त के निर्देश दिए गए थे।

शुक्रवार को ग्राम नाटाखेड़ी परियोजना पर तैनात कर्मचारी बलराम गुर्जर ने एक संदिग्ध युवक को ओएमएस बॉक्स से वाल्व निकालते हुए देख लिया। कर्मचारी ने तत्काल उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दरबार सिंह पिता चरणसिंह गुर्जर, निवासी भैसाखेड़ी, थाना टोंक खुर्द, जिला देवास बताया।

आरोपी के पकड़े जाने की खबर मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। लोगों का गुस्सा इस कदर बढ़ गया कि उन्होंने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। बाद में अधिकारियों ने बीच-बचाव कर आरोपी को ग्रामीणों से छुड़ाया और पुलिस के हवाले कर दिया।

बैग से निकले 28 कीमती वाल्व- अधिकारियों ने आरोपी के काले रंग के बैग की तलाशी ली तो उसमें से चोरी किए गए 28 पीएफसीएमबी वाल्व बरामद हुए। प्रत्येक वाल्व की कीमत करीब 2,400 रुपए बताई जा रही है। इस हिसाब से बरामद सामग्री की कीमत 67 हजार 200 रुपए से अधिक है। परियोजना में ऐसे कुल 4,250 वाल्व लगाए गए हैं, जिनमें से कई पहले ही चोरी हो चुके हैं।

भारत में आसानी से नहीं मिलते ये वाल्व- नर्मदा परियोजना में पदस्थ अधिकारी रितेश दीक्षित ने बताया कि ये विशेष वाल्व इजराइल से मंगाए गए हैं और भारत में आसानी से उपलब्ध नहीं होते। इनकी मदद से कंट्रोल रूम से ही पानी की सप्लाई को चालू और बंद किया जाता है। वाल्व चोरी होने से पूरी जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और ग्रामीणों को पानी की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

संगठित गिरोह की आशंका- घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को किसी संगठित गिरोह के शामिल होने की आशंका है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी किए गए अन्य वाल्व कहां बेचे गए और इस गिरोह में और कौन-कौन शामिल है।

छात्र की संदिग्ध हालत में मौत

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तबीयत बिगड़ने के बाद छात्र को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मामला संदिग्ध होने पर पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया है। मक्सी रोड पंवासा का रहने वाला रितेश पिता राकेश मंडोर 21 साल बीएससी की पढ़ाई कर रहा था। रात में अचानक उसे पेट दर्द हुआ और सिर भी दर्द करने लगा। उसकी हालत बिगड़ती देख परिजन रात में उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां कुछ देर बाद रितेश की मौत हो गई। मामला संदिग्ध होने पर अस्पताल स्टाफ द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। परिजन भी अचानक हुई मौत से हैरान थे जिसके चलते उन्होंने पोस्टमार्टम कराने की बात कही। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है रिपोर्ट आने पर मौत की वजह सामने आ पाएगी। परिजनों ने बताया कि रितेश के पिता ठेकेदारी करते हैं और वह दो भाई थे। रितेश पढ़ाई में भी अच्छा था उसकी मौत तबीयत बिगड़ने के बाद हुई है लेकिन उसे कोई गंभीर बीमारी भी नहीं थी।

विधायक उज्जैन उत्तर श्री जैन ने 40 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक शाला भवन का लोकार्पण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन उत्तर विधानसभा अंतर्गत वार्ड क्र. 01 में शनिवार को विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा द्वारा 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन प्राथमिक शाला भवन का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती कलावती यादव,श्री संजय जी अग्रवाल, म.प्र. पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री सौभाग्यसिंह जी ठाकुर, म.प्र. कर्मचारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री रमेशचंद्र जी शर्मा, उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, श्री पी. रामा गुरु, श्री रितेश जी जाटिया,श्री संजय कोरट, श्री सुभाष डोडिया, श्री विजय सिंह चौहान, श्री शानू मेहता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। नव निर्मित शाला भवन में छात्र-छात्राओं के लिए सुसज्जित कक्ष, बेंच एवं कुर्सियाँ तथा खेलकूद की सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। लोकार्पण अवसर पर छात्र-छात्राओं को साइकिलें भी वितरित की गईं।

भोपाल के बदमाश के बदमाश ने रिमांड पर काबुली तीन ओर वारदात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुभाषनगर में चाकू की नोंक पर सोने की चेन, घड़ी और अलखधाम में मोबाइल स्नेचिंग करने के साथ शास्त्रीनगर में चेन झपटने का प्रयास करने वाले भोपाल के बदमाश को नीलगंगा थाना पुलिस ने रिमांड पर लिया। बदमाश ने नाबालिग साथियों के साथ मिलकर नानाखेड़ा से स्कूटी चुराई थी और 3 थाना क्षेत्र में मोबाइल स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था।

नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि सुभाषनगर ओम रेसीडेंसी में रहने वाले तुषार पिता मुकेश किशनानी और उसकी मां भावना, भाई कृष्णा के साथ 14 जुलाई की रात स्कूटी सवार 3 बदमाशों ने चाकू की नोंक पर सोने की चेन और घड़ी लूटने की वारदात को अंजाम दिया था।

तीनों बदमाशों ने शास्त्रीनगर में अशोक धनवानी से चेन झपटने का प्रयास करते हुये अलखधाम में शुभम सेन से मोबाइल छीन लिया था। पुलिस ने 24 घंटे में तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया था। बदमाशों में 2 नाबालिग थे, जो उज्जैन के रहने वाले है। उनका साथी कुणाल कटारिया भोपाल के बैरागढ़ में रहता है और उज्जैन में रिश्तेदार के यहां आया हुआ था। शुक्रवार दोपहर तीनों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से नाबालिगों को बाल संप्रेक्षणगृह भेजा भोपाल के बदमाश को 3 दिनों की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वारदात में प्रयुक्त स्कूटी नानाखेड़ा क्षेत्र से चुराई थी। उस पर सवार होकर नानाखेड़ा, पंवासा और माधवनगर थाना क्षेत्र में मोबाइल स्नेचिंग को भी अंजाम दिया था। मोबाइल इंदौर में ठिकाने लगाये है। थाना प्रभारी के अनुसार इंदौर में चोरी के मोबाइल खरीदने वाला पूर्व में भी 800 मोबाइल के साथ इंदौर पुलिस की हिरासत में आ चुका है। फिलहाल वह इंदौर से फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

गोंड बस्ती में युवक पर एसिड अटैक, पत्नी से हुआ था विवाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गोंड बस्ती में रात 1 बजे युवक पर एसिड डाल दिया। सुबह आने पहुंचे युवक को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। घायल ने पत्नी और चार युवकों पर आरोप लगाया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महाकाल थाना क्षेत्र की गोंड बस्ती में हुई घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह सतीश पिता धनीराम 32 वर्ष निवासी योगीपुरा खाने आया था और उसने रात 1बजे गोंड बस्ती में विवाद होने पर सपना, मोनू, नवीन, कारण और गब्बू पर आरोप लगाते हुए बताया कि सभी ने विवाद कर उसे पर एसिड डाला है। पुलिस ने सीना झुलसा होने पर उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मामले की जांच शुरू की गई इस दौरान जानकारी मिली कि जिस महिला पर एसिड डालने का आरोप लगाया जा रहा है वह महिला झुलसे युवक की पत्नी है। जो गोंड बस्ती में रहती है युवक मूल रूप से आगरा का रहने वाला है मंदिर क्षेत्र में फूल प्रसादी बेचने का काम करता है उसने सपना से शादी कर ली थी वह शराब पीने का आदी है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। इधर अस्पताल में भर्ती घायल का आरोप यह भी था कि उसके साथ मारपीट कर एसिड डालने वालों ने रुपए भी छीन हैं।

इधर घर में बीमार वृद्ध झुलसा- तिरुपति धाम कॉलोनी में रहने वाले रामचंद्र सोलंकी 65 वर्ष पैरालाइज के मरीज है। वह बिस्तर पर ही रहते हैं। शुक्रवार दोपहर पत्नी शांताबाई बाजार चली गई थी और बाहर से दरवाजा लगा दिया था। कुछ देर बाद आसपास के लोगों ने घर से धुआं निकलता देखा तो दरवाजा खोला। रामचंद्र सोलंकी पलंग पर लगे बिस्तरों के बीच झूलसते दिखाई दिए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया उनका पैरालाइज पैर झुलसा है। आशंका जताई जा रही है कि वह बीड़ी पीते थे बीमारी के चलते वह बिस्तर से नहीं उठाते थे संभवत जलती बीड़ी से बिस्तर में आग लगने पर घटना हुई है उनका पुत्र दिल्ली सीआईएसएफ में है।

नर्मदा-क्षिप्रा परियोजना के उपकरण चोरी करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय परियोजना क्षेत्र से सरकारी उपकरण चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गया मश्रुका बरामद किया है। आरोपी के पास से परियोजना में उपयोग होने वाले OMS बॉक्स के 28 नग पीएफसी एमडी वाल्व बरामद किए गए हैं।

तराना थाना प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह भदौरिया ने बताया कि नर्मदा-क्षिप्रा परियोजना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा उपकरण चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस के साथ ग्रामीण नजर रख रहे थे शुक्रवार देर शाम ग्राम नाटाखेड़ी-बगोदा स्थित परियोजना क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने की सूचना मिली। पुलिस टीम और परियोजना के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से घेराबंदी की। तलाशी के दौरान संदिग्ध के कब्जे से ओएमएस बॉक्स के 28 नग पीएफसी एमडी वाल्व मिले, जो चोरी के थे।

विकृति से बचने के लिए प्रकृति व संस्कृति को सहेजना जरूरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में इको क्लब के तत्वावधान में बॉटनिकल हैंडमेड ग्रीटिंग कार्ड वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को प्राकृतिक सामग्री जैसे सूखे फूलों और पत्तियों से आकर्षक कार्ड बनाने का प्रशिक्षण देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता ने कहा कि अगर हमें प्रकृति को संवारना और संस्कृति को बचाना है, तो विकृति से बचना होगा। संस्कृति और प्रकृति के माध्यम से ही जीव जगत का कल्याण संभव है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान
सबको सम्मान

समानता और न्याय की
भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश
मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे

सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे

विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी

जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे

बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा

लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य

माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता

जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

D11063/26